

पीएम मोदी ने जांबाज पायलट कैप्टन स्मित मखर से की फोन पर बात

भारतीय किसी की जान लेने वाले लोग नहीं, हम जान बचाने वाले लोग है : प्रधानमंत्री मोदी

नई दिल्ली,(एजेंसी)। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने फ्लाईटबुई एयरलाइंस के भारतीय पायलट कैप्टन स्मित मखर से शुक्रवार को फोन पर बात कर उनका हालचाल जाना और उनके अदम्य साहस की सराहना की। बातचीत के दौरान कैप्टन स्मित ने हवा में हुए उस खौफनाक घटनाक्रम,अपने अनुभवों और जानलेवा हमले के बीच विमान व यात्रियों को सुरक्षित बचाने के लिए मिली मानसिक हिम्मत के बारे में विस्तार से साझा किया। प्रधानमंत्री ने उनके शीघ्र स्वस्थ होने की कामना करते हुए कहा कि उनके असाधारण पराक्रम ने देश का सिर गर्व से ऊंचा किया है। इससे पहले प्रधानमंत्री ने 1 अक्टूबर को सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म ‘एक्स’ (पूर्व में ट्विटर) पर एक विस्तृत पोस्ट साझा कर कैप्टन स्मित मखर की जांबाजी को सलाम किया था। पीएम मोदी ने लिखा था कि कैप्टन स्मित मखर एक सच्चे हीरो हैं। बेहद खतरनाक परिस्थितियों और गंभीर रूप से घायल होने के बावजूद उन्होंने दूसरों की जान

संगठन और पार्टी के भीतर होने वाली चर्चाओं को सार्वजनिक नहीं किया जा सकता : स्वराज

उतराखंड प्रभारी बांसुरी स्वराज ने कहा उतराखंड में तीसरी बार भाजपा सरकार बनाने का लक्ष्य

देहरादून,(एजेंसी)। भारतीय जनता पार्टी की सह प्रभारी एवं सांसद बांसुरी स्वराज ने शुक्रवार को कहा कि पार्टी आगामी विधानसभा चुनाव में उतराखंड में लगातार तीसरी बार सरकार बनाने के लक्ष्य के साथ चुनाव मैदान में उतरेगी। उन्होंने कहा कि प्रदेश का मतदाता राष्ट्रवादी सोच वाली भाजपा पर भरोसा जताएगा। बांसुरी स्वराज भाजपा प्रदेश मुख्यालय में प्रदेश अध्यक्ष एवं राज्यसभा सांसद महेंद्र भट्ट की अध्यक्षता में हुई प्रदेश पदाधिकारियों, जिलाध्यक्षों और जिला प्रभारियों की संगठनात्मक बैठक के बाद पत्रकारों से बातचीत कर रही थीं। बैठक में नवनियुक्त प्रदेश प्रभारी एवं राष्ट्रीय उपाध्यक्ष राम माधव, सह प्रभारी अरविंद मेनन और प्रदेश महामंत्री संगठन फणींद्रनाथ शर्मा भी मौजूद रहे। बैठक में संगठन के बृ्ध स्तर तक मजबूत करने, चुनावी तैयारियों और आगामी रणनीति सहित विभिन्न विषयों पर चर्चा हुई। बैठक के बाद पार्टी की सह प्रभारी एवं सांसद बांसुरी स्वराज ने कहा कि भाजपा उतराखंड में लगातार तीसरी बार सरकार बनाने के लक्ष्य के साथ चुनाव मैदान में उतरेगी।



उन्होंने कहा कि चुनाव में किसी पार्टी को मिलने वाली सीटों में बढ़ोतरी या कमी किसी व्यक्ति विशेष के कारण नहीं होती, बल्कि यह मतदाताओं के निर्णय पर निर्भर करती है। उतराखंड को वीरभूमि और देवभूमि बताते हुए उन्होंने कहा कि प्रदेश में बड़ी संख्या में लोग सेना से जुड़े हैं और राष्‍ट्रवादी सोच के प्रति लोगों का जुड़ाव है। बांसुरी स्वराज ने सवाल का जवाब देते हुए कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी के नेतृत्व में प्रदेश में विकास कार्य आगे बढ़ रहे हैं। उन्होंने दिल्ली-देहरादून एक्सप्रेसवे का उदाहरण देते हुए कहा कि करीब 12 हजार करोड़ रुपये की लागत वाली इस परियोजना से दोनों शहरों के बीच यात्रा का समय कम हुआ है।

कैप्टन स्मित को अशोक चक्र देने की प्रधानमंत्री से मांग

नई दिल्ली। शिवसेना राज्यसभा सांसद और अधीनस्थ विधान समिति के अध्यक्ष मिलिंद देवड़ा ने दुबई से तेल अवीव जा रही फ्लाईटबुई की उड़ान में अदम्य साहस का परिचय देकर 174 यात्रियों की जान बचाने वाले भारतीय पायलट कैप्टन स्मित मखर को शान्ति‍काल के सर्वोच्च वीरता पुरस्कार अशोक चक्र से सम्मानित करने की मांग की है। इस संबंध में उन्होंने शुक्रवार को प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी को पत्र लिखकर कैप्टन मखर की असाधारण बहादुरी को औपचारिक रूप से मान्यता देने का आग्रह किया। प्रधानमंत्री को लिखे पत्र में देवड़ा ने कहा कि गुर्बई में जन्मे कैप्टन स्मित मखर ने हवा में उछल अपर्यायित और गंभीर संकट के दौरान जिस सुझबुझ और साहस का परिचय दिया,वह उनके पेशेवर दायित्वों से कहीं आगे का कर्तव्य था। उड़ान के दौरान सह-पायलट द्वारा कथित रूप से विमान का नियंत्रण अपने हाथ में लेने की कोशिश के बीच कैप्टन मखर पर कॉम्पिट में हमला किया गया और वे गंभीर रूप से घायल हो गए। देवड़ा ने पत्र में कहा कि गंभीर चोटों के बावजूद कैप्टन

की स्थिति में हस्तक्षेप करने का अवसर मिला और एक बड़े विमान हादसे को टाला जा सका। कैप्टन मखर ने अपनी जान की परवाह किए बिना यात्रियों की सुरक्षा को सर्वोच्च प्राथमिकता दी। देवड़ा ने पत्र में कहा कि कैप्टन मखर की बहादुरी की सराहना भारत के साथ वैश्विक स्तर पर भी हुई है। उन्हें औपचारिक रूप से सम्मानित करने से देश के युवाओं को यह संदेश जाएगा कि बहादुरी किसी एक पेशे या युद्ध के मैदान तक सीमित नहीं है। कोई भी नागरिक दूसरों की सुरक्षा के लिए अपनी जान जोखिम में डालकर साहस और कर्तव्यनिष्ठा की मिसाल पेश कर सकता है।

बचाने के लिए जिस अद्वितीय साहस और अदृष्ट संकल्प का परिचय दिया,वह अभूतपूर्व है। उनकी इस सुझबूझ और बहादुरी के चलते बची और एक भीषण मानवीय त्रासदी टल गई। समूचे भारत को अपने इस जांबाज बेटे

नर सेवा ही नारायण सेवा,सेवा से होता है राष्ट्र निर्माण : उपराष्ट्रपति राधाकृष्णन

संत ईश्वर फाउंडेशन द्वारा आयोजित संत ईश्वर सम्मान समारोह को किया संबोधित

नई दिल्ली, (एजेंसी)। उपराष्ट्रपति सी. पी. राधाकृष्णन ने शुक्रवार को कहा कि हमारी सभ्यतागत परंपरा ने हमेशा हमें सिखाया है- नर सेवा ही नारायण सेवा है, सेवा से होता है राष्ट्र निर्माण। उन्होंने कहा कि भारत के महान संतों और विचारकों ने लोगों को व्यक्तिगत स्वार्थ व संकीर्ण सीमाओं से ऊपर उठकर समाज और दूसरों के कल्याण के लिए काम करने की प्रेरणा दी है। वे शुक्रवार को कांस्टीट्यूशन क्लब में संत ईश्वर फाउंडेशन द्वारा आयोजित 11वें संत ईश्वर सम्मान-2026 समारोह को संबोधित कर रहे थे। राष्ट्रीय सेवा भारती को लगातार 11 वर्षों से इस सम्मान को जारी रखने के लिए सराहना करते हुए सीपी राधाकृष्णन ने कहा कि विकास को केवल आर्थिक वृद्धि,बुनियादी ढांचे या तकनीकी प्रगति से नहीं मापा जा सकता। वास्तव में विकसित भारत वह होगा,जहां प्रत्येक नागरिक को सम्मान, अवसर और आशा का अनुभव हो। उन्होंने कहा कि देश की प्रगति में प्रत्येक नागरिक की भागीदारी है और सेवा संगठनों तथा सेवा कार्य से जुड़े व्यक्तियों का योगदान जमीनी स्तर पर राष्ट्र निर्माण का महत्वपूर्ण हिस्सा है। स्वच्छ भारत

पर गर्व है। यह रोंगटे खड़े कर देने वाली घटना दुबई से तेल अवीव जा रही फ्लाईटबुई की उड़ान के दौरान घटी,जहां अचानक को-पायलट ने हिसक हमला कर विमान को क़ैश करने की खतरनाक कोशिश की थी। उस गंभीर आपात स्थिति में मुख्य पायलट कैप्टन स्मित मखर ने जान पर खेलकर को-पायलट का डटकर मुकाबला किया और विमान का नियंत्रण हाथ से नहीं जाने दिया। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने संघ लोक सेवा आयोग के एक सार्वजनिक कार्यक्रम के दौरान भी कैप्टन मखर की वीरता का विशेष उल्लेख किया। पीएम ने कहा कि भारतीय पायलट की तत्परता ने 9/11 जैसी भयानक त्रासदी को दोबारा दोहराए जाने से रोक दिया। गौरतलब है कि 11 सितंबर 2001 को अमेरिका में अल-कायदा के आतंकवादियों ने यात्री विमानों का अपहरण कर उन्हें इमारतों से टकरा दिया था,जिसमें हजारों निर्दोष लोगों की जान चली गई थी।

सपा परिवार और भाई-भतीजा व धन्रासेठों को टिकट नहीं देती है : मायावती



राज्यसभा उम्मीदवार के नाम को लेकर मायावती का अखिलेश पर निशाना

लखनऊ,(एजेंसी)। बहुजन समाज पार्टी (बसपा) की राष्ट्रीय अध्यक्ष मायावती ने समाजवादी पार्टी (सपा) पर परिवारवाद और धनबल की राजनीति करने का आरोप लगाते हुए निशाना साधा है। उन्होंने कहा कि सपा अपने आपको समाजवादी और पीडीए की पार्टी बताती है, लेकिन उसके काम इसके विपरीत नजर आते हैं। मायावती ने सपा के राज्यसभा उम्मीदवार प्रो.रामगोपाल यादव और धनराज परिमल नाथवानी के चयन को लेकर भी सवाल उठाए। सपा ने 30 सितंबर को दोनों उम्मीदवारों का नामांकन कराया था। मायावती ने शुक्रवार को सोशल मीडिया प्लेफॉर्म एक्स पर लिखा कि बसपा किसी भी छोटे-बड़े चुनाव में परिवार,सगे-संबंधियों,भाई-भतीजों और बड़े पूंजीपतियों को टिकट नहीं देती। उनके मुताबिक पार्टी सर्वसमाज के गरीब,मध्यम वर्ग और कमजोर तबकों से जुड़े कर्मट अंबेडकरवादी कार्यकर्ताओं को उम्मीदवार बनाती है। उन्होंने कहा,बसपा किसी भी छोटे-बड़े चुनाव में विरोधी पार्टियों में भी खासकर समाजवादी पार्टी (सपा) की तरह अपने परिवार,सगे-सम्बंधी,भाई-भतीजों, करीबी रिश्ते-नातेदारों के साथ ही विशेषकर बड़े-बड़े पूंजीपतियों व धनासेठों आदि को टिकट नहीं देती है,यानी चुनावों में उनके धनबल का सहारा नहीं लेती है, बल्कि पार्टी में कार्यत सर्वसमाज में से केवल गरीब,मध्यम वर्ग व कमजोर तबकों के कर्मट अम्बेडकरवादी लोगों को ही अपनी पार्टी का उम्मीदवार बनाती है,अर्थात बसपा की राजनीति

परिवारवाद व धनबल से मुक्त व पाक-साफ है,जबकि वहाँ दूसरी तरफ सपा ठीक इसके विपरीत कार्य करती है, जो अपने आपको समाजवादी व कथित पीडीए की पार्टी होने का राजनीतिक ढोंग व छलावा करती हुई ज्यादा नजर आती है। मायावती ने कहा कि इसका एक और ख़ास व ताजा उदाहरण यह है कि सपा ने यूपी से राज्यसभा के लिए द्विवार्षिक चुनाव में रामगोपाल यादव को फिर से पचां भरवाया है जो सपा मुखिया के नजदीकी रिश्तेदार हैं,जबकि सपा ने अपनी पार्टी का दूसरा उम्मीदवार धनराज परिमल नाथवानी को बनाया है, जो चर्चित उद्योग घराने से सम्बद्ध हैं। लोगों की राय में सपा का तीसरा उम्मीदवार पहले की तरह संभवतः फेस सर्विंग व चुनाव हारने के लिए होगा। मायावती ने कहा कि इस प्रकार का है सपा,उसका पीडीए व उस पार्टी का समाजवाद अर्थात् सपा को चुनाव में वोट तो पीडीए का चाहिए,लेकिन सांसद व विधायक आदि ज्यादातर अपने परिवार वालों को व बड़े-बड़े पूंजीपतियों को बनाती है। अतः जनता इनके पीडीए के बहकावे में ना आए तो यह सही। उन्होंने कहा कि यह कोई नई बात नहीं है, बल्कि सपा का इस प्रकार का दोहरा चाल,चरित्र व चेहरा हमेशा से ही रहा है और इसीलिए खासकर अपरकास्ट समाज के गरीबों तथा बहुजन समाज अर्थात दलितों, आदिवासियों,अति-पिछड़ों, मुस्लिम एवं अन्य धार्मिक अल्पसंख्यक समाज के समस्त लोगों को अब खासकर यूपी विधानसभा आमचुनाव से पहले ही जरूर पूरी तरह से सचेत,सतर्क हो जाना चाहिए कि उन सबका हित अम्बेडकरवादी बसपा में ही निहित व सुरक्षित है, बाकी सब छलावा ही छलावा है।

राज्य सरकार कला संस्कृति को कर रही है प्रोत्साहित : मुख्यमंत्री डॉ.यादव

मुख्यमंत्री ने भारतीय हार्मोनिका महोत्सव-2026 के 13 वें संस्करण का किया शुभारंभ

भोपाल। मुख्यमंत्री डॉ.मोहन यादव ने कहा है कि माउथ ऑर्गन भगवान श्रीकृष्ण की बांसुरी के समान है। दोनों में सातों स्वर समाहित हैं। ईश्वर ने हमारे रोम-रोम में स्वरों का स्पंदन दिया है, बारिश की बूंद के आधार पर पैदा होने वाली ध्वनि से महादेव का डमरू दुनिया का पहला वाद्य यंत्र बना। यह सीमाग्य का विषय है कि प्रदेश में महाकाल और ओंकारेश्वर 2 ज्योतिर्लिंग हैं। बाबा महाकाल हमें जीवन देते हैं और ओंकारेश्वर के ऊँ की ध्वनि से ही हम संगीत का रसावदान करते हैं। प्रभु श्री राम और भगवान श्रीकृष्ण के काल से ही हमारी संस्कृति में 64 कला और 14 विधाओं का विशिष्ट स्थान रहा है। हमारे सभी देवी-देवताओं के पास कोई एक वाद्य यंत्र अवश्य मिलता है,देवताओं के हाथों में एक ओर शस्त्र नजर आता है तो दूसरी ओर शास्त्र। इन



दोनों का मेल केवल सनातन संस्कृति में ही मिल सकता है। मुख्यमंत्री डॉ.यादव ने यह विचार 13वें भारतीय हार्मोनिका महोत्सव 2026 के अंतर्गत इंडियन माउथ ऑर्गन प्लेयर्स मीट-2026 के शुभारंभ सत्र को संबोधित करते हुए व्यक्त किए। मुख्यमंत्री डॉ.यादव ने कुशभाऊ ठाकरे सभागार में माउथ ऑर्गन वादकों के अखिल भारतीय सम्मेलन का दीप प्रज्वलित कर शुभारंभ किया। पिछड़ा वर्ग एवं अल्पसंख्यक कल्याण राज्य मंत्री (स्वतंत्र प्रभार)

श्रीमती कृष्णा गौर कार्यक्रम में विशेष रूप से उपस्थित थी। मुख्यमंत्री डॉ.यादव ने कहा कि महात्मा गांधी और पूर्व प्रधानमंत्री स्व. लालबहादुर शास्त्री की जयंती पर भोपाल में भारतीय हार्मोनिका महोत्सव के विशेष आयोजन में देश के 16 राज्यों से लगभग 180 कलाकार प्रदेश की राजधानी भोपाल में जुटे हैं। इस अद्भुत आयोजन में 7 से 87 वर्ष की आयु तक के कलाकार अपनी माउथ ऑर्गन की प्रस्तुतियों से सभी को आनंदित कर रहे हैं। यह आयोजन

केवल कलाकारों का मिलन नहीं है, बल्कि देश के विभिन्न राज्यों की भाषाई और सांस्कृतिक पृष्ठभूमि से आने वाले हार्मोनिका के साधकों का महाकुंभ है। वर्तमान समय में मध्यप्रदेश की धरती से संगीत परंपरा समृद्ध हो रही है। राज्य सरकार प्रदेश के चहुंमुखी विकास के लिए कला-संस्कृति, उदयीमान कलाकारों सहित प्रत्येक क्षेत्र को आगे बढ़ा रही है। मुख्यमंत्री डॉ.यादव ने कहा कि भगवान श्रीकृष्ण की बांसुरी भी माउथ ऑर्गन के जैसी थी। उज्जैन स्थित श्री महाकाल मंदिर में प्राचीन वाद्य यंत्रों की प्रदर्शनी लगाई गई है। मुख्यमंत्री डॉ.यादव ने कहा कि प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी के विरासत से विकास के संकल्प के आधार पर मध्यप्रदेश सरकार कला-संस्कृति क्षेत्र को विशेष प्रोत्साहन प्रदान कर रही है। प्रदेश की सांगीतिक परम्परा संगीत सम्राट तानसेन, बैजू बावरा और कुमार गंधर्व जैसी विभूतियों से समृद्ध रही है।

गांधी जयंती पर सूरत से उदयपुर के बीच पहली वंदे भारत ट्रेन हुई शुरू

केंद्रीय जल शक्ति मंत्री सीआर पाटिल ने हरी झंडी दिखाकर किया रवाना

सूरत। गांधी जयंती के अवसर पर दक्षिण गुजरात के यात्रियों को बड़ी रेल सुविधा मिली है। सूरत से उदयपुर के बीच शुक्रवार को पहली वंदे भारत ट्रेन की शुरुआत हुई है। सूरत को उदयपुर से जोड़ने वाली इस सेमी-हाईस्पीड ट्रेन को आज केंद्रीय जल शक्ति मंत्री सीआर पाटिल ने हरी झंडी दिखाकर रवाना किया। नियमित समय-सागणिक के अनुसार ट्रेन सेवा 4 अक्टूबर से शुरू होगी। इससे सूरत और उदयपुर के बीच यात्रा का समय घटकर करीब 7 घंटे 30 मिनट रह जाएगा। ट्रेन संख्या 26903 सूरत से सुबह 6.10 बजे रवाना होकर दोपहर 1.40 बजे उदयपुर सिटी पहुंचेगी। वापसी में ट्रेन संख्या 26904 उदयपुर से दोपहर 3.35 बजे रवाना होगी और रात 11 बजे सूरत पहुंचेगी। मंगलवार को छोड़कर सप्ताह के छह दिन इस ट्रेन की नियमित सेवा उपलब्ध रहेगी। यात्रियों के लिए ट्रेन में दो श्रेणियां रखी गई हैं। चेंयर कार (सीसी) का क्रियाया 1,515 रुपये और एक्जीक्यूटिव चेंयर कार (ईसी) का क्रियाया 2,720 रुपये निर्धारित किया गया है। ट्रेन संख्या 26903 की नियमित टिकट बुकिंग 1 अक्टूबर से आईआरसीटीसी की वेबसाइट, मोबाइल ऐप और

रेलवे स्टेशनों के पीआरएस कार्डों पर शुरू की गई। यात्रा के दौरान ट्रेन गुजरात और राजस्थान के नौ प्रमुख स्टेशनों पर रुकेगी। इनमें भरूच, वडोदरा, आणंद, महिसागर, असारवा, हिममतनगर, शामलाजी रोड, डूंगरपुर और जावर स्टेशन शामिल हैं। इन स्टेशनों पर उद्घावन से दोनों राज्यों के यात्रियों, व्यापारियों और धार्मिक स्थलों की यात्रा करने वाले श्रद्धालुओं को सुविधा मिलने की उम्मीद है। ट्रेन में आधुनिक सुरक्षा व्यवस्था,स्वचालित दरवाजे, जीपीएस आधारित यात्री सूचना प्रणाली और बेहतर सीटिंग व्यवस्था जैसी सुविधाएं उपलब्ध कराई गई हैं। नई सेवा से सूरत और राजस्थान के बीच व्यापारिक गतिविधियों के साथ पर्यटन और धार्मिक यात्राओं की भी गति मिलने की उम्मीद है। कार्यक्रम में सीआर पाटिल ने अपने पुराने रेल सफर को याद करते हुए कहा कि एक समय रेल यात्रा कठिन और असुविधाजनक मानी जाती थी। ट्रेनों में भीड़ और पर्याप्त सुविधाओं के अभाव के कारण यात्रियों को परेशानी होती थी। उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में रेलवे में स्वच्छता और यात्री सुविधाओं पर विशेष ध्यान दिया गया है और आज वंदे भारत जैसी ट्रेनों के कारण यात्रियों को आधुनिक यात्रा का अनुभव मिल रहा है।

छत्तीसगढ़ के मुख्यमंत्री विष्णु देव साय ने की नितिन नवीन से मुलाकात

नई दिल्ली। छत्तीसगढ़ के मुख्यमंत्री विष्णु देव साय ने शुक्रवार को भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) के राष्ट्रीय अध्यक्ष नितिन नवीन से उनके निवास पर सीजन्स मुलाकात की। सूत्रों के अनुसार इस मुलाकात के दौरान मुख्यमंत्री साय ने छत्तीसगढ़ में चल रहे विकास कार्यों, जनकल्याणकारी योजनाओं और सुशासन की पहलों की जानकारी साझा की। उन्होंने प्रदेश में विभिन्न क्षेत्रों में हो रहे विकास, रोजगार के अवसरों और जनहित से जुड़ी योजनाओं की प्रगति से भी अवगत कराया। इस मौके पर मुख्यमंत्री ने बस्तर सहित प्रदेश के सभी क्षेत्रों में विकास की गति देने के लिए किए जा रहे प्रयासों पर भी चर्चा की। दोनों नेताओं के बीच प्रदेश के विकास और संगठन से जुड़े विभिन्न विषयों पर विचार-विमर्श हुआ। उल्लेखनीय है कि गुरुवार को छत्तीसगढ़ और ओडिशा के बीच लंबे समय से चले आ रहे महानदी जल विवाद के समाधान की दिशा में गुरुवार को कर्तव्य भवन में केंद्रीय गृह एवं सहकारिता मंत्री अमित शाह की अध्यक्षता में हुई उच्चस्तरीय बैठक में छत्तीसगढ़ के मुख्यमंत्री विष्णु देव साय और ओडिशा के मुख्यमंत्री मोहन चरण माझी ने भाग लिया था। बैठक में दोनों राज्यों ने अपना-अपना पक्ष रखा और इस मसले के सीधादूर्ण समाधान के लिए तकनीकी बातचीत जारी रखने पर सहमति जताई थी।

बांग्लादेशी वोटरों के समर्थन में चुनाव आयोग को बदनाम कर रहे राहुल : दुबे

भाजपा सांसद निशिकांत दुबे ने कांग्रेस नेता राहुल गांधी पर हमला बोला

नई दिल्ली,(एजेंसी)। देशभर में विषय गहन पुनरीक्षण (एसआईआर) प्रक्रिया को लेकर हो रहे विवाद के बीच भारतीय जनता पार्टी के वरिष्ठ नेता व गोज़ू से सांसद निशिकांत दुबे ने राहुल गांधी पर हमला बोला है। भाजपा नेता नेता ने लोकसभा में नेता प्रतिपक्ष पर देश को गुमराह करने का आरोप लगाया है। निशिकांत दुबे ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर पुराने दस्तावेज को साझा करते हुए कहा, 1983 में असम में नेल्ली नरसंहार हुआ जिसमें एक रात में लगभग 5000 बांग्लादेशी मुसलमान मारे गए, हजारों घायल और लापता हुए, जिनकी लाश तक नहीं मिली। तत्कालीन मुख्य चुनाव आयुक्त शकधर चिखले रहे



कि 1980 लोकसभा चुनाव के बाद बिना एसआईआर के असम में लोकसभा वर विधानसभा चुनाव नहीं करा सकते। भारत में चुनाव भारत के मतदाताओं से होगा, बांग्लादेशी या पाकिस्तानी वोटर से नहीं

लेकिन इंदिरा गांधी ने मुस्लिम तृष्टिकरण के नाम पर जबरदस्ती 1983 का चुनाव करवाया,नतीजा दंगे। वर्षों तक असम में चुनाव भारत के मतदाताओं से लिखें। वहां वे बांग्लादेशी वोटरों के समर्थन में चुनाव

आयोग के खिलाफ देश को गुमराह कर गृह युद्ध कराना चाहते हैं। इसके पहले 1 अक्टूबर को निशिकांत दुबे ने एक्स पोस्ट पर एसआईआर को लेकर जवाहरलाल नेहरू पर निशाना साधा था। निशिकांत दुबे ने एक्स पर पोस्ट किया,कि 1 अक्टूबर 1952 चीन ने पहली बार हमारे भूभाग अक्साई चीन पर कब्जा किया। 1956 से 1962 की कहानी को जवाहरलाल लाल नेहरु अपनी खामी छिपाने के लिए देशवासियों को गुमराह कर बताते रहे। भारतीय सेना को 1952 में जब चीन की यह हरकत पता लगी तो उसने मेजर जनरल (उस वक्त कैप्टन) राजेन्द्र नाथ को जांच करने भेजा। उन्होंने 90 साल की उम्र में अपनी कहानी और नेहरु परिवार की सच्चाई स्टूडेंटिक लद्दाख में लिखी। वहां वे नजारा देखकर भौंके रहे नाथ, तिब्बत से

लगभग लद्दाख तक चीन ने स्टेट ऑफ द आर्ट रोड बना लिया था, एयरपोर्ट था और पुरे अक्साई चीन को लगभग अपने कब्जे में ले लिया था। चीन से तिब्बत और लद्दाख की दूरी आधी हो गई थी। निशिकांत ने भागे लिखा,यह रिपोर्ट देखकर नेहरुजी आग बबूला हो गए। इस रिपोर्ट को उन्होंने रद्दी की टोकरी में फेंक दिया। नतीजा तिब्बत को चीन का हिस्सा माना,पंचशील का सिद्धांत बना और हिंदी-चीनी भाई-भाई का नारा लगा। जिस चीन के पास 1955 तक अपना हवाई जहाज नहीं था,उसे संयुक्त राष्ट्र संघ का स्थाई सदस्य बनाया और 1962 के युद्ध में 38 हजार स्पायर किलोमीटर जमीन चीन ने कब्जा ली। 1952 की बात छुपाने,सेना की सूचना को नजरअंदाज करने को देशद्रोह कहा जाए या नहीं?



सहकार से
समृद्धि



गौपालक सम्मेलन

मुख्य अतिथि

अमित शाह

केन्द्रीय गृह एवं सहकारिता मंत्री

अध्यक्षता

डॉ. मोहन यादव

मुख्यमंत्री, मध्यप्रदेश

भूमिपूजन

₹255 करोड़ का डेयरी प्लांट, उज्जैन

लोकार्पण

फर्मेंटेड मिल्क प्रोडक्ट प्लांट एवं
राज्यस्तरीय केन्द्रीय गुणवत्ता लैब, भोपाल
मिनी डेयरी संयंत्र, शिवपुरी

हितलाभ वितरण

दुध संघ के पशुपालकों को बोनस
गौशालाओं को सहायता
कामधेनु योजना स्वीकृति पत्र वितरण

सम्मान

गौपालक दीदियों का

3 अक्टूबर 2026

बीएचईएल, दशहरा मैदान, भोपाल

**मिल्क कैपिटल बनेगा
मध्यप्रदेश**

9% से 20%

देश के कुल दुध उत्पादन में
मध्यप्रदेश की हिस्सेदारी
बढ़ाने का लक्ष्य

₹2,973 करोड़ की

दुध उत्पादन और डेयरी क्षेत्र के
विकास के लिए योजनाओं को मंजूरी

26,000 गांवों में

दुध सहकारी समितियों के
नेटवर्क के विस्तार का लक्ष्य

**10 लाख से 50 लाख
लीटर प्रतिदिन**

अगले 5 वर्षों में दुध संकलन
करने का लक्ष्य



D11132/26

मध्यप्रदेश जनसम्पर्क दूता जाटी

सीधा प्रसारण



Webcast.gov.in/mp/cmevents



@Cmmadhyapradesh
@jansampark.madhyapradesh



@Cmmadhyapradesh
@jansamparkMP



JansamparkMP

विश्वेद सिंह ने इस्तीफे की खबरों का किया खंडन,नहीं दिया कोई इस्तीफा

भरतपुर। राजस्थान के पूर्व मंत्री और भरतपुर के पूर्व राजघराने के सदस्य विश्वेद सिंह ने अपने इस्तीफे की खबरों का खंडन किया है। विश्वेद सिंह ने भरतपुर के एक मीडिया कर्मी को फोन कर स्पष्ट किया कि उन्होंने इस्तीफा नहीं दिया है।दरअसल, शुक्रवार सुबह से ही सोशल मीडिया और विभिन्न मीडिया प्लेटफॉर्म पर विश्वेद सिंह के इस्तीफा देने की खबरे तेजी से प्रसारित हो रही थी।

दैनिक साष्ट्रीय गरिमा



मोपाल, शनिवार 03 अक्टूबर 2026

www.rashtriyaгарिमा.com

हरियाणु के साथ अपराधी गिरफ्तार, देसी कूड़ा और कारतूस बरामद

पूर्वी सिस्वना। बागेश्वर थाना क्षेत्र के वायस्तेस मैदान में पुलिस ने कार्रवाई करते हुए एक व्यक्ति को हरियाणु के साथ गिरफ्तार किया है। पुलिस ने उसके पास से एक देसी कूड़ा और एक ग्रेनाइड कारतूस बरामद किया है। गिरफ्तार व्यक्ति की पहचान अनुप चक्रवर्ती उर्फ अजय बंगाली (42) के रूप में हुई है। सिटी स्पॉट लाइव टीम ने शुक्रवार को पुलिस कार्रवाई में अव्यवस्थित प्रेस कॉन्फ्रेंस में बताया कि एक अक्टूबर की रात रात वीर्य पुलिस अधिकृत को सूचना मिली थी कि अनुप चक्रवर्ती वायस्तेस मैदान के आसपास हरियाणु लेकर घूम रहा है।

राम मंदिर चंदा मामले में चंपत राय के खिलाफ 2 नवंबर को होगी सुनवाई

अखिल भारत हिंदू महासभा की ओर से दायर याचिका पर होगी सुनवाई

नई दिल्ली। अयोध्या के राम मंदिर से जुड़े दान की कथित चोरी और अनियमितताओं के मामले में श्री राम जन्मभूमि तीर्थ क्षेत्र ट्रस्ट के पूर्व महासचिव चंपत राय के खिलाफ कार्रवाई की मांग वाली याचिका पर सुप्रीम कोर्ट ने सुनवाई के लिए सहमति जताई है। अखिल भारत हिंदू महासभा की ओर से दायर याचिका को इस मामले से जुड़ी अन्य संबंधित याचिकाओं के साथ जोड़कर 2 नवंबर को सुनवाई के लिए सूचीबद्ध किया जाएगा। मुख्य न्यायाधीश सूर्यकांत की अध्यक्षता वाली पीठ के समक्ष यह



मामला आया। याचिकाकर्ता संगठन की ओर से अधिवक्ता वरिंदर कुमार शर्मा ने अदालत के

समक्ष दलीलें रखीं। याचिका में चंपत राय पर दान की राशि में कथित हेराफेरी और राम मंदिर के आसपास की जमीनों से जुड़े कथित अनियमित लेनदेन में शामिल होने के आरोप लगाए गए हैं। साथ ही उत्तर प्रदेश सरकार के अधिकारियों को ट्रस्टियों या उनसे जुड़े लोगों के कब्जे वाली कथित संपत्तियों को कुर्क करने का निर्देश देने की मांग की गई है। याचिका में दावा किया गया है कि मंदिर में चढ़ावे और दान के रूप में प्राप्त नकदी तथा अन्य कीमती वस्तुओं के प्रबंधन में गंभीर अनियमितताएं हुईं। इसमें मंदिर परिसर से जुड़ी जमीनों के कथित अवैध लेनदेन का भी आरोप लगाया गया है। हालांकि, ये आरोप याचिकाकर्ता के दावे हैं और अदालत

ने इन आरोपों की सत्यता पर अभी कोई निष्कर्ष नहीं दिया है। मामले की जांच कर रही उत्तर प्रदेश की विशेष जांच टीम ने चंपत राय को आरोपित नहीं बनाया है। हाल ही में दाखिल आरोपपत्र में उनका नाम अभियोजन पक्ष के गवाह के रूप में शामिल है। जांच में कुल आठ लोगों को आरोपित बनाया गया है। चंपत राय और ट्रस्ट के तत्कालीन सदस्य अनिल मिश्रा समेत कई पूर्व पदाधिकारियों को गवाह बनाया गया है। विशेष जांच टीम की जांच के अनुसार, मंदिर में चढ़ावे की नकदी की गिनती के दौरान कथित तौर पर रकम हटाने या छिपाने के 105 मामले सीसीटीवी कैमरों में दर्ज पाए गए। जांच में बैंक खातों, संपत्तियों, वाहनों, मोबाइल

संदेशों और अन्य दस्तावेजों की भी पड़ताल की गई। आरोपपत्र में आठ आरोपितों से कथित रूप से जुड़ी करीब 79.85 लाख रुपये की रकम बरामद किए जाने का उल्लेख है। विशेष जांच टीम ने दान में मिली कीमती वस्तुओं से जुड़े आरोपों की भी जांच की। सुप्रीम कोर्ट के समक्ष दाखिल जांच रिपोर्ट के अनुसार, 803 कीमती वस्तुओं की रसीदों और संबंधित अभिलेखों का सत्यापन किया गया तथा उन्हें भारतीय स्टेट बैंक के लॉकर में सुरक्षित पाया गया। इन वस्तुओं के संबंध में जांच में कोई विसंगति नहीं मिली। बिना रसीद वाली 86 कीमती वस्तुओं की भी अलग से पहचान कर भौतिक सत्यापन किया गया।

त्योहारों पर यात्रियों की भीड़ के लिए उत्तर रेलवे चलाएगा दो फेस्टिवल स्पेशल ट्रेनें

उत्तर रेलवे के मुख्य जनसंपर्क अधिकारी हिमांशु शेखर उपाध्याय ने दी जानकारी

नई दिल्ली। त्योहारों के दौरान यात्रियों की अतिरिक्त भीड़ को देखते हुए उत्तर रेलवे ने नई दिल्ली-श्री माता वैष्णो देवी कटरा और दिल्ली जंक्शन-रिंगस जंक्शन के बीच फेस्टिवल स्पेशल ट्रेनें चलाने का निर्णय लिया है। इनमें नई दिल्ली-श्री माता वैष्णो देवी कटरा आरक्षित फेस्टिवल स्पेशल एक्सप्रेस तीन-तीन फेरे दोनों दिशाओं में और दिल्ली जंक्शन-रिंगस जंक्शन अनारक्षित स्पेशल दो-दो फेरे दोनों दिशाओं में संचालित होगी। उत्तर रेलवे के मुख्य जनसंपर्क अधिकारी हिमांशु शेखर उपाध्याय के अनुसार, यात्रियों की सुविधा और त्योहारों के दौरान अतिरिक्त भीड़ को नियंत्रित करने के लिए इन ट्रेनों का संचालन निर्धारित तिथियों और समय के अनुसार किया जाएगा। यात्रियों को ट्रेनों से संबंधित ताजा जानकारी के लिए एनटीईएस देखने या 139 पर संपर्क करने की सलाह दी गई है। उत्तर रेलवे ने बताया कि ट्रेन संख्या



04081/04082 नई दिल्ली-श्री माता वैष्णो देवी कटरा-नई दिल्ली आरक्षित फेस्टिवल स्पेशल एक्सप्रेस नई दिल्ली से 2,3 और 4 अक्टूबर को तीन फेरे लगाएगी। वापसी में श्री माता वैष्णो देवी कटरा से यह ट्रेन 3, 4 और 5 अक्टूबर को तीन फेरे लगाएगी। ट्रेन संख्या 04081 नई दिल्ली से रात 11.45 बजे रवाना होगी और अगले दिन दोपहर 12 बजे श्री माता वैष्णो देवी कटरा पहुंचेगी। रास्ते में ट्रेन पानीपत,कुरुक्षेत्र जंक्शन,अंबाला कैंट, लुधियाना जंक्शन, जालंधर कैंट,पठानकोट

सुबह 7.15 बजे पहुंचकर 7.20 बजे रवाना होगी। जम्मू तवी पर सुबह 9.15 बजे पहुंचकर 9.25 बजे रवाना होगी। शहीद कैप्टन तुषार महाजन स्टेशन पर सुबह 11.08 बजे पहुंचकर 11.10 बजे रवाना होगी और दोपहर 12 बजे श्री माता वैष्णो देवी कटरा पहुंचेगी। वापसी में ट्रेन संख्या 04082 श्री माता वैष्णो देवी कटरा से रात 9 बजे रवाना होगी। यह शहीद कैप्टन तुषार महाजन पर रात 9.28 बजे पहुंचेगी और 9.30 बजे रवाना होगी। जम्मू तवी पर रात 11 बजे पहुंचकर 11.05 बजे रवाना होगी। पठानकोट कैंट पर रात 12.45 बजे पहुंचकर 12.50 बजे रवाना होगी। ट्रेन जालंधर कैंट पर रात 2.45 बजे, लुधियाना जंक्शन पर रात 3.45 बजे, अंबाला कैंट पर सुबह 5.40 बजे, कुरुक्षेत्र जंक्शन पर सुबह 6.25 बजे, पानीपत पर सुबह 7.25 बजे पहुंचेगी। इसके बाद सुबह 10 बजे नई दिल्ली पहुंचेगी। उत्तर रेलवे ने बताया कि ट्रेन संख्या 04415/04416 दिल्ली जंक्शन-रिंगस जंक्शन-दिल्ली जंक्शन अनारक्षित स्पेशल का संचालन भी किया जाएगा।

फलाईदुबई घटना के बाद भारत में अलर्ट,सुरक्षा के नजरिए से हो रही जांच

विमानन सुरक्षा से जुड़े मौजूदा प्रबंधों और कार्यप्रणाली की समीक्षा की जाएगी

नई दिल्ली। दुबई से इजरायल के तेल अवीव जा रहे फलाईदुबई के विमान में भारतीय पायलट स्मि्त मच्छार पर सह-पायलट द्वारा चाकू से किए गए हमले की घटना के बाद भारत में भी विमानन सुरक्षा व्यवस्था को लेकर गंभीरता बढ़ गई है। घटना के मद्देनजर देश में विमानन सुरक्षा से जुड़े मौजूदा प्रबंधों और कार्यप्रणाली की समीक्षा किए जाने की संभावना है। फलाईदुबई की उड़ान संख्या एफजेड1073 में बुधवार को हुई इस घटना के बाद विमान को सऊदी अरब के तबूक हवाई अड्डे पर आपात स्थिति में उतारा गया। नागरिक उड्डयन सचिव समीर सिन्हा ने कहा है कि सरकार इस मामले का सुरक्षा के दृष्टिकोण से आकलन कर रही है। उन्होंने कहा कि भारत इस घटना की जांच कर रहा है और इसके सुरक्षा संबंधी पहलुओं पर गौर



किया जा रहा है। यदि किसी तरह की सलाह या अतिरिक्त कदम की आवश्यकता महसूस होती है तो इसकी जानकारी उच्च अधिकारियों को दी जाएगी। संभावित समीक्षा में विमानन सुरक्षा से संबंधित मौजूदा मानक संचालन प्रक्रियाओं को शामिल किया जा सकता है। विशेष रूप से संवेदनशील मार्गों पर उड़ान के दौरान अतिरिक्त सुरक्षा व्यवस्था और विमान में सुरक्षा अधिकारियों की तैनाती जैसे उपायों पर भी विचार किया जा सकता है। इसके साथ ही

विमानन सुरक्षा से जुड़े विभिन्न विभागों और एजेंसियों की जिम्मेदारियों की भी समीक्षा किए जाने की संभावना है। इसमें विमानन कंपनियों के साथ केंद्रीय औद्योगिक सुरक्षा बल (सीआईएसएफ), राष्ट्रीय सुरक्षा गार्ड (एनएसजी),नागरिक उड्डयन सुरक्षा ब्यूरो (बीसीएस) और नागरिक उड्डयन महानिदेशालय (डीजीसीए) की भूमिका शामिल हो सकती है। घटना ने विमान के कॉकपिट के भीतर सुरक्षा व्यवस्था को लेकर भी सवाल खड़े किए हैं। ऐसे में यह जांचा जा सकता है कि कॉकपिट के भीतर से उत्पन्न होने वाली इस तरह की घटनाओं को रोकने के लिए मौजूदा सुरक्षा प्रबंध पर्याप्त हैं या उनमें किसी बदलाव अथवा अतिरिक्त उपाय की आवश्यकता है। फलाईदुबई की उड़ान में हुई घटना के दौरान सह-पायलट ने भारतीय कप्तान स्मि्त मच्छार पर कथित रूप से चाकू से हमला किया।

जॉर्ड में महिला ने फांसी लगा कर दी जान, पति समेत आठ नामजद

जॉर्ड। हरियाणा के नरवाना स्थित हरि नगर में महिला ने फांसी लगा जान दे दी। शहर थाना नरवाना पुलिस ने मृतका की मां की शिकायत पर पति समेत आठ लोगों के आत्महत्या के लिए मजबूर करने का मामला दर्ज किया है। पुलिस मामले की जांच कर रही है। जानकारी के अनुसार हरि नगर निवासी पवन की पत्नी 28 वर्षीय रजनी ने गुरुवार रात फांसी का फंदा लगा कर आत्महत्या कर ली। ससुरालीजन जब मृतका के शव का अंतिम संस्कार करने की तैयारी कर रहे थे, तो उसी दौरान सूचना पाकर मृतका के मायका पक्ष के लोग मौके पर पहुंच गए और पुलिस को मौके पर बुला लिया। मृतका की मां कुरुक्षेत्र निवासी सरोज ने पुलिस को दी शिकायत में बताया कि उसकी बेटी रजनी की शादी लगभग दस साल पहले पवन के साथ हुई थी। शादी के बाद से पति पवन तथा उसके परिजन रजनी को परेशान करते थे। अक्सर उसके साथ मारपीट करते थे। गुरुवार को दिन में भी रजनी के साथ मारपीट की गई थी। जिससे परेशान होकर उसकी बेटी रजनी ने फांसी लगा ली।

भारत में विदेशी राजदूतों ने मनाई महात्मा उगांधी की 157वीं जयंती



नॉर्वे के राजदूत ने कहा-सत्य और अहिंसा का संदेश आज भी प्रासंगिक

नई दिल्ली। राष्ट्रपिता महात्मा गांधी की 157वीं जयंती के अवसर पर भारत में विदेशी राजनयिकों ने भी बापू को नमन किया और उनके सिद्धांतों और उनकी सीख को याद किया। इस दौरान भारत में नॉर्वे के राजदूत मे-एलिन स्टेनर,जर्मनी के राजदूत जैस्पेर विक ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म ‘एक्स’ पर पोस्ट में महात्मा गांधी का जन्मदिन आश्रम में अपनी यात्रा के अनुभव को साझा किया। भारत में नॉर्वे के राजदूत मे-एलिन स्टेनर ने पोस्ट में लिखा, गांधी जयंती की शुभकामनाएं! साबरमती आश्रम की यात्रा मेरे लिए एक बहुत ही मार्मिक अनुभव था। सत्य, अहिंसा

और शांति ऐसे मूल्य हैं, जिन्हें हम नॉर्वे में भी संजोते हैं। गांधीजी का संदेश हम सबको आज भी प्रेरणा देते हैं। जर्मनी के राजदूत जैस्पेर विक ने पोस्ट में लिखा, आज जब हम महात्मा गांधी का जन्मदिन मना रहे हैं, तो मुझे 2019 में साबरमती आश्रम की अपनी यात्रा की सुखद यादें ताजा हो आती हैं। गांधी जयंती हमें गांधीजी के अहिंसा और मानवीय गरिमा के प्रति सम्मान के संदेश की याद दिलाती है। ऐसे मूल्य जो आज भी पूरी दुनिया में उतने ही प्रासंगिक हैं, जितने पहले थे। वहीं, भारत में फ्रांस के दूतावास ने ‘एक्स’ पर पोस्ट में लिखा,नई दिल्ली में ‘ग्यारह मूर्ति’ से लेकर स्ट्रासबर्ग में उनकी प्रतिमा तक, गांधीजी का शांति और अहिंसा का संदेश सीमाओं के

पार तक फैला हुआ है। फ्रांस उनकी याद को सम्मान देता है, चाहे वह स्मारक डाक टिकट के जरिए हो या फिर कांस्य की उनकी भव्य प्रतिमा के रूप में। गांधी जयंती पर हम एक ऐसी आवाज को नमन करते हैं,जो सचमुच सार्वभौमिक है। इस अवसर पर यूक्रेनी दूतावास ने भी ‘एक्स’ पर पोस्ट में लिखा, गांधी जयंती के अवसर पर भारत में यूक्रेन का दूतावास भारत के लोगों को हार्दिक शुभकामनाएं देता है। महात्मा गांधी के सत्य,अहिंसा और मानवीय गरिमा के शाश्वत सिद्धांत दुनिया भर की पीढ़ियों को प्रेरित करते रहें और न्याय, स्वतंत्रता तथा अंतरराष्ट्रीय कानून के सम्मान पर आधारित शांति के महत्व को और मजबूत करें। चीन में भारतीय दूतावास ने भारतीय समुदाय और ‘फ्रेंड्स ऑफ इंडिया’ के साथ मिलकर गांधी जयंती के इस मौके पर जितार्ई आर्ट म्यूजियम में महात्मा गांधी की 157वीं जयंती मनाई। राजदूत विक्रम दोराईस्वामी और जितार्ई आर्ट म्यूजियम के क्यूरेटर मास्टर युआन जिकुन ने महात्मा गांधी की पुष्पांजलि अर्पित की।

BURGO
CONSTRUCTION

WHERE QUALITY MEETS INNOVATION

24/7 SERVICE

- ✓ CONSTRUCTION
- ✓ RENOVATION
- ✓ DESIGNING
- ✓ CONSULTATION
- ✓ PLANNING
- ✓ MANAGEMENT

CALL NOW

+91-860-2000-710

WWW.BURGOCONSTRUCTION.COM

विश्वसनीयता स्वतः सदिग्ध

मुद्दा है कि बजट क्यों नहीं है? दरअसल, शिक्षा एवं स्वास्थ्य क्षेत्र में प्राइवेट सेक्टर के लिए तमाम उदारता दिखाने वाली सरकारें जब ऐसी बात कहती हैं, तो उनकी विश्वसनीयता स्वतः सदिग्ध हो जाती है। मासिक स्टाइपेंड बढ़ाने की मांग को लेकर प्रदर्शन कर रहे मेडिकल (एमबीबीएस) इंटर्न्स पर भोपाल में वॉटर कैनन चलाया गया। पांच साल की महंगी पढ़ाई करने और अनियमित घंटों तक काम करने के बाद इन डॉक्टरों को हर महीने फिलहाल 14,337 की वृत्ति मिलती है। इस रकम पर युवा डॉक्टर किस तरह गुजारा चलाते होंगे, इसकी कल्पना की जा सकती है। स्टाइपेंड को 30 हजार रुपये करने की मांग को लेकर भोपाल के गांधी मेडिकल कॉलेज अस्पताल के इंटर्न मुख्यमंत्री आवास की ओर बढ़ रहे थे, तब पानी की बौछार कर उन्हें तितर-बितर कर दिया गया। इस घटना के विरोध में राज्य के कई सरकारी मेडिकल कॉलेज अस्पतालों में ओपीडी सहित अन्य सेवाएं प्रभावित हुईं। उधर हरियाणा में करीब 12,000 अतिथि अध्यापक ढाई महीने से भी अधिक समय से कुरुक्षेत्र स्थित सचिवालय के बाहर मोर्चा लगाए हुए हैं। ये शिक्षक क्रमिक भूख हड़ताल पर हैं। मुख्यमंत्री आवास के घेराव के साथ-साथ विधायकों को ज्ञापन सौंप चुके हैं। यानी जिन शिक्षकों को क्लास में मौजूद रह कर बच्चों का शिक्षण करना चाहिए, वे प्रतिरोध के अलग-अलग माध्यमों से अपने भविष्य की लड़ाई लड़ रहे हैं। इनमें से अनेक शिक्षक 20 साल से ज्यादा समय से अतिथि रूप में ही अपनी सेवाएं दे रहे हैं, जिन्हें नियमित शिक्षकों की तुलना में लगभग एक तिहाई पारिश्रमिक मिलता है। हाई कोर्ट और सुप्रीम कोर्ट ने नियमित किए जाने की उनकी मांग को जायज माना। लेकिन सरकार इसे टालती चली गई है। ये दोनों आंदोलन देश में स्वास्थ्य एवं शिक्षा क्षेत्र के मौजूदा हाल की मिसाल हैं। वे वो अरुम क्षेत्र हैं, जिन्हें किसी समाज के विकास की बुनियाद समझा जाता है। मगर आज हाल यह है कि सरकारों के पास बजट ना होने का तर्क है। इसलिए ऐसे तमाम महत्वपूर्ण क्षेत्रों को कामचलाऊ ढंग से चलाने की रस्म-अदायगी सामान्य बात हो गई है। मुद्दा है कि बजट क्यों नहीं है? क्या इसके लिए खुद सरकारी नीतियां जिम्मेदार नहीं हैं? दरअसल, शिक्षा एवं स्वास्थ्य क्षेत्र में प्राइवेट सेक्टर के लिए तमाम उदारता दिखाने वाली सरकारें जब ऐसी बातें कहती हैं, तो उनकी विश्वसनीयता स्वतः सदिग्ध हो जाती है।

राशिफल

मेष राशि: आज का दिन आपके लिए नयी उमंग से भरा रहने वाला है। छात्रों के लिए आज का दिन व्यस्त रहेगा। आज आपके हार्ड वर्क से जल्द ही सफलता आपके कदम चूलेगी। प्राइवेट सेक्टर में काम करने वालों का आज प्रमोशन होगा। आपको बिजनेस में कोई बड़ी डील मिल सकती है। इससे आपको धन लाभ हो सकता है। किसी शुभ समारोह के मिलने का योग नजर आ रहा है।

वृष राशि: आज का दिन आपके लिए उत्तम रहने वाला है। आज आपके पास कई कार्य होंगे जिनमें से आपको कुछ कार्यों की शुरुआत करनी होगी और उन्हें अंतिम रूप देना होगा। आज आपको किसी व्यक्ति की मदद करने का मौका मिलेगा।

मिथुन राशि: आज का दिन आपके अनूकूल रहने वाला है। आज आपके पुराने दोस्त आपसे मिलने आ सकते हैं। आज ऑफिस के किसी काम में हड़बड़ी नहीं करेगें तो काम समय पर व आसानी से पूरा हो जायेगा। आज व्यापार में आपको किसी उच्चाधिकारी का सहयोग मिलेगा, जिससे आपकी पेशानी का निवारण हो जायेगा।

कर्क राशि: आज का दिन आपके लिए अच्छा रहने वाला है। आज आप अपने जीवनसाथी की बात को समझने की कोशिश करेंगे। आज शाम किसी दोस्त की बर्थे पार्टी में आपकी मुलाकात किसी ऐसे व्यक्ति से होगी जिससे आपकी दोस्ती हो सकती है। आज प्रोजेक्ट कार्य में आपको जीवनसाथी का सहयोग मिलेगा।

सिंह राशि: आज का दिन आपके लिए बेहतर रहने वाला है। आपके घर में नया मेहमान आ सकता है, घर खुशियों से भर जायेगा। आप किसी काम को लेकर उत्साहित होंगे, काम आसानी व समय से पूरा हो जायेगा। आज आय के नए स्रोत बनेंगे, आपका आर्थिक पथ मजबूत होगा। आज आपका साहित्य के क्षेत्र में छद्मज्ञ रहेगा।

कन्या राशि: आज का दिन आपके लिए शानदार रहने वाला है। आप अपने खाली समय का सदुपयोग नई चीजें सीखने में करें, जो आपकी उन्नति में योगदान देगा। आज आपसे मिलने कोई व्यक्ति आएगा जो आपका बेस्ट फ्रिय होगा, उससे मिलकर आपको खुशी होगी। आज आप किसी मित्र की आर्थिक सहायता करेंगे।

तुला राशि: आज का दिन आपके लिए खास होने वाला है। आज आपकी पुराने दोस्त से अचानक मुलाकात हो सकती है, जिससे मिलकर आपकी बचपन की यादें ताजा हो जाएंगी। पिता आपके जिम्मेदार व्यक्तित्व को देखकर गर्व महसूस करेंगे। आज आप काम करने के नए तरीकों पर विचार करेंगे।

वृश्चिक राशि: आज का दिन आपके लिए खुशियों से भरा रहने वाला है। आप अपने कारोबार के साथ-साथ अपनी निजी लाइफ में बैलेंस बनाये रखें, आपका जीवन सुखमय रहेगा। घर के बुजुर्गों का स्वास्थ्य अच्छा रहेगा। आज काम के सिलसिले में आपको यात्रा करनी पड़ेगी, यह यात्रा आपके लिए लाभदायक रहेगी।

धनु राशि: आज का दिन आपके लिए ठीक-ठाक रहने वाला है। परिवार के सामने आपको अपनी राय रखने का पूरा मौका मिलेगा, आपकी योजना से लोग काफी प्रभावित होंगे, आपकी आर्थिक स्थिति मजबूत रहेगी। आपका मन ईश्वर की मक्ति में लगा रहेगा, आज आप किसी मंदिर जा सकते हैं जहां आपको खुशी मिलेगी।

मकर राशि: आज का दिन आपके लिए अच्छा रहने वाला है। आज आपके घर कोई मेहमान आएंगे, जिससे आपके दिन भर के शेड्यूल में रेंजेंस होंगे। आज माताएं अपने बच्चों को मोरल स्टोरी सुनाएंगी। कंस्ट्रक्शन के कारोबारियों का चल रहा काम आज पूरा हो जायेगा। आज समाज में आपका मान-सम्मान बढ़ेगा, लोग आपके अच्छे कामों की सराहना करेंगे।

कुम्भ राशि: आज का दिन आपके लिए सुनहरा रहने वाला है। सर्वदेय के कारोबारियों का दिन लाभदायक साबित होगा। आपका कोई काम जो बहुत दिनों से पूरा नहीं हो रहा था, आज किसी सहयोगी की सहायता से पूरा हो जायेगा। आज आप माता-पिता के लिए कोई सरप्राइज प्लान करेंगे, इससे वे काफी खुश होंगे।

मीन राशि: आज का दिन केवरेबल रहने वाला है। आज आपका मन किसी नए काम में लगेगा। कठिन कार्यों में भी आप हार नहीं मानेंगे, आप तबकी के बहुत नजदीक है। आपकी कार्रबिलियत से आज आपको नयी प्दवाज मिलेगी। इस राशि के जो मार्फेटिंग के बिजनेस से जुड़े हैं उनके बिजनेस में आज इजाफा होगा।

राष्ट्र भक्ति की अलख जगाता हैनिक

राष्ट्रीय गरिमा



राष्ट्र एक बगीचा है और हम सब इसके माली

सेवा संकल्प अभियान 2026 : सेवा मेरा योगदान



प्रधानमंत्री आवास योजना के साथ प्रधानमंत्री जनजातीय आदिवासी न्याय महाअभियान (पीएम जनमन) के माध्यम से विशेष पिछड़ी जनजाति परिवारों तक भी पक्के आवास और बुनियादी सुविधाएं पहुंच रही हैं। वहीं मुख्यमंत्री साय की मंशा के अनुरूप आवास प्लस 2.0 के तहत पूर्व में छूटे परिवारों का सर्वेक्षण कर पात्रतानुसार उन्हें भी योजना से जोड़ने की दिशा में कार्य किया जा रहा है। कच्चे मकान की चिंता खत्म, पक्की छत ने दिया सुरक्षा और सम्मान का भरोसा जशपुर जिले के अनेक परिवारों का जीवन वर्षों तक कच्चे मकानों में अभाव और कठिनाइयों के बीच बीता। कमजोर दीवारें, टूटी-फूटी छत और बरसात के दिनों में घर के भीतर टपकता पानी उनकी रोजमर्रा की परेशानी का हिस्सा था। बारिश के दौरान सामान को भीगने से बचाना और परिवार के लिए सुरक्षित जगह तलाशना बड़ी चुनौती होती थी। सीमित आर्थिक संसाधनों के कारण अपना पक्का घर बनाना ऐसे परिवारों के लिए आसान नहीं था। प्रधानमंत्री आवास योजना ने इस स्थिति को बदलने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई है। पक्की छत मिलने से परिवारों को मौसम की मार से सुरक्षा के साथ अपने घर में सम्मानपूर्वक जीवन जीने का भरोसा मिला है। आज ये आवास केवल ईंट और सीमेंट से बने मकान नहीं, बल्कि परिवारों के बेहतर भविष्य, सुरक्षा और आत्मसम्मान की मजबूत नींव बन रहे हैं। जशपुर में 1.12 लाख से अधिक आवास स्वीकृत, 96,801 आवास पूर्ण प्रधानमंत्री आवास योजना के अंतर्गत जशपुर जिले में अब तक कुल 1 लाख 12 हजार 948 आवास स्वीकृत किए जा चुके हैं। इनमें 96 हजार 801 आवासों का निर्माण पूर्ण हो चुका है। इन पक्के घरों में हजारों परिवार अब अपने बच्चों और परिजनों के साथ सुरक्षित जीवन व्यतीत कर रहे हैं। योजना के माध्यम से पात्र परिवारों को पक्का आवास उपलब्ध कराने के



कभी बारिश में टपकती छत और कमजोर दीवारों के बीच रात गुजारने की मजबूर परिवार आज अपने पक्के घर में सुरक्षित और सम्मानजनक जीवन रहे हैं। प्रधानमंत्री आवास योजना जशपुर जिले के ऐसे हजारों परिवारों के लिए केवल एक आवास योजना नहीं, बल्कि वर्षों पुराने सपने को साकार करने और जीवन में स्थायित्व लाने का माध्यम बनी है। मुख्यमंत्री विष्णु देव साय के नेतृत्व में योजना के प्रभावी क्रियान्वयन से जिले में अब तक 1 लाख 12 हजार 948 आवास स्वीकृत किए गए हैं, जिनमें 96 हजार 801 आवास पूर्ण हो चुके हैं। प्रधानमंत्री आवास योजना के साथ प्रधानमंत्री जनजातीय आदिवासी न्याय महाअभियान (पीएम जनमन) के माध्यम से विशेष पिछड़ी जनजाति परिवारों तक भी पक्के आवास और बुनियादी सुविधाएं पहुंच रही हैं। वहीं मुख्यमंत्री साय की मंशा के अनुरूप आवास प्लस 2.0 के तहत पूर्व में छूटे परिवारों का सर्वेक्षण कर पात्रतानुसार उन्हें भी योजना से जोड़ने की दिशा में कार्य किया जा रहा है। कच्चे मकान की चिंता खत्म, पक्की छत ने दिया सुरक्षा और सम्मान का भरोसा जशपुर जिले के अनेक परिवारों का जीवन वर्षों तक कच्चे मकानों में अभाव और कठिनाइयों के बीच बीता। कमजोर दीवारें, टूटी-फूटी छत और बरसात के दिनों में घर के भीतर टपकता पानी उनकी रोजमर्रा की परेशानी का हिस्सा था। बारिश के दौरान सामान को भीगने से बचाना और परिवार के लिए सुरक्षित जगह तलाशना बड़ी चुनौती होती थी। सीमित आर्थिक संसाधनों के कारण अपना पक्का घर बनाना ऐसे परिवारों के लिए आसान नहीं था। प्रधानमंत्री आवास योजना ने इस स्थिति को बदलने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई है। पक्की छत मिलने से परिवारों को मौसम की मार से सुरक्षा के साथ अपने घर में सम्मानपूर्वक जीवन जीने का भरोसा मिला है। आज ये आवास केवल ईंट और सीमेंट से बने मकान नहीं, बल्कि परिवारों के बेहतर भविष्य, सुरक्षा और आत्मसम्मान की मजबूत नींव बन रहे हैं। जशपुर में 1.12 लाख से अधिक आवास स्वीकृत, 96,801 आवास पूर्ण प्रधानमंत्री आवास योजना के अंतर्गत जशपुर जिले में अब तक कुल 1 लाख 12 हजार 948 आवास स्वीकृत किए जा चुके हैं। इनमें 96 हजार 801 आवासों का निर्माण पूर्ण हो चुका है। इन पक्के घरों में हजारों परिवार अब अपने बच्चों और परिजनों के साथ सुरक्षित जीवन व्यतीत कर रहे हैं। योजना के माध्यम से पात्र परिवारों को पक्का आवास उपलब्ध कराने के



साथ उनके जीवन स्तर में व्यापक सुधार का प्रयास किया जा रहा है। आवास के साथ स्वच्छ पेयजल, बिजली, शौचालय और एलपीगैसी बुनियादी सुविधाओं तक पहुंच परिवारों के जीवन को अधिक सुविधाजनक बनाने में सहायक हो रही है। इस तरह पक्का मकान परिवार का सुरक्षा के साथ स्वास्थ्य, स्वच्छता और बेहतर जीवन स्तर का भी आधार बन रहा है। पीएम जनमन से पहाड़ी कोरवा परिवारों के जीवन में आया बदलाव जशपुर जिले के विशेष पिछड़ी जनजाति परिवारों तक विकास की बुनियादी सुविधाएं पहुंचाने में प्रधानमंत्री जनजातीय आदिवासी न्याय महाअभियान (पीएम जनमन) महत्वपूर्ण भूमिका निभा रहा है। वर्ष 2023 से 2025 तक जिले में पीएम जनमन के अंतर्गत 2,100 आवास स्वीकृत किए गए हैं, जिनमें 1,614 से अधिक आवास पूर्ण हो चुके हैं। इससे विशेष पिछड़ी जनजाति पहाड़ी कोरवा परिवारों को सुरक्षित पक्के आवास का लाभ मिला है। पीएम जनमन के तहत आवास के साथ स्वच्छ पेयजल, स्वास्थ्य, शिक्षा, पोषण, सड़क एवं दूरसंचार कनेक्टिविटी और स्थायी आजीविका जैसी बुनियादी आवश्यकताओं तक पहुंच सुनिश्चित करने की दिशा में भी कार्य किया जा रहा है। दूरस्थ और दुर्गम क्षेत्रों में रहने वाले परिवारों को विकास की मुख्यधारा से जोड़ने की यह पहल उनके जीवन में स्थायी बदलाव का आधार बन रही है। आवास प्लस 2.0 : छूटे 1.02 लाख से अधिक परिवारों का हुआ सर्वेक्षण पक्के आवास की सुविधा से कोई पात्र परिवार वंचित न रहे, इसके लिए आवास प्लस

2.0 के तहत जिले में पूर्व में छूटे परिवारों का पुनः सर्वेक्षण किया गया है। इसके अंतर्गत 1 लाख 2 हजार 371 परिवारों का सर्वे किया गया है। सर्वेक्षण के बाद निर्धारित पात्रता के आधार पर परिवारों को प्रधानमंत्री आवास योजना सहित संबंधित योजनाओं से लाभान्वित करने की प्रक्रिया आगे बढ़ेगी। इस पहल से उन जरूरतमंद परिवारों के लिए भी पक्के आवास की उम्मीद मजबूत हुई है, जो किसी कारणवश पूर्व में योजना में शामिल नहीं हो पाए थे। इससे जिले में पक्के आवास का दायरा और व्यापक होगा तथा अधिक से अधिक पात्र परिवारों तक योजना का लाभ पहुंच सकेगा। एक पक्का घर, परिवार के बेहतर भविष्य की मजबूत नींव प्रधानमंत्री आवास योजना से जशपुर में दिखाई दे रहा बदलाव केवल मकानों की बढ़ती संख्या तक सीमित नहीं है। पक्के घर ने हजारों परिवारों को मौसम की चिंता से राहत, बच्चों को बेहतर वातावरण और पूरे परिवार को सुरक्षा तथा सम्मान का अहसास दिया है। पीएम जनमन और आवास प्लस 2.0 जैसी पहलों के माध्यम से इस बदलाव का दायरा दूरस्थ और वंचित परिवारों तक भी लगातार बढ़ रहा है। सेवा संकल्प अभियान 2026 के अंतर्गत ‘सेवा मेरा योगदान’ की भावना के साथ जनकल्याणकारी योजनाओं का लाभ अंतिम व्यक्ति तक पहुंचाने की दिशा में किए जा रहे प्रयासों के बीच जशपुर के हजारों पक्के आवास बदलाव की एक सशक्त तस्वीर प्रस्तुत करते हैं। कभी जो पक्का घर परिवारों के लिए दूर का सपना था, वही आज उनके सुरक्षित वर्तमान और बेहतर भविष्य का आधार बन चुका है।

तैंतीस हजार फीट की ऊँचाई पर कैप्टन रिमत का ऐतिहासिक शौर्य

डॉ दीपक कोहली

दुर्बई से तेल अवीव की ओर उड़ान भरते फ्लाईडुबई के विमान संख्या एफजेड 1073 के भीतर तैंतीस हजार फीट की अभूतपूर्व ऊँचाई पर जो दिल नहला देने वाली अप्रत्याशित घटना घटी, उसने न केवल समूचे वैश्विक विमानन जगत की सुरक्षा व्यवस्था की चूल्हें हिला दी हैं, बल्कि मानव इतिहास में अदम्य साहस, असाधारण प्रत्युत्पन्नमति और सर्वोच्च कर्तव्यनिष्ठा को एक ऐसी स्वर्णिम इबारत भी लिख दी है जिसे आने वाली सदियों अमरत्व गर्व के साथ याद रखेंगी। शून्य से कई डिग्री नीचे के तापमान और हवा के प्रचंड दबाव के बीच जब कॉकपिट की संकीर्ण परिधि में मृत्यु साक्षात अट्टहास कर रही थी, तब भारतीय पायलट जगट के अद्वितीय मच्छर ने जिस तरह लहलूहान अवस्था में भी अपने जीवन की अंतिम सांस तक संघर्ष करते हुए एक भीषण त्रासदी को टाला, उसने यह साबित कर दिया कि जब ईंसान का संकल्प और कर्तव्यबोध अटूट हो, तो भयानक से भयानक विपत्ति भी उसके आगे घुटने टेकने पर मजबूर हो जाती है। सह-पायलट के रूप में साथ बैठे व्यक्ति द्वारा अचानक किए गए हिंसक जानलेवा हमले और विमान को जानबूझकर तेज गति से नीचे की ओर धकेल कर भीषण तबाही में बदलने की आत्मघाती साजिश के बीच कैप्टन रिमत ने जिस अद्वितीय वीरता का परिचय दिया, उसने विमान में सवार एक सौ चौहत्तर से अधिक निर्दोष यात्रियों और क़रू सदस्यों के जीवन की रक्षा तो की ही, साथ ही गगन की गहराइयों में मानवता की विजय का एक अमर जयघोष भी किया। इस समूचे घटनाक्रम को यदि दैनिक जीवन और अंतरराष्ट्रीय उड्डयन सुरक्षा के बहुआयामी परिप्रेक्ष्य में देखा जाए, तो यह केवल एक सनकी व्यक्ति की आपराधिक करतूत या एक पायलट के त्वरित प्रत्युत्तर का सामान्य विवरण भर नहीं है, बल्कि यह संकट प्रबंधन, असौम शारीरिक व मानसिक सहनशक्ति और अंतर-सांस्कृतिक एकजुटता का वह अनुपम उदाहरण है जो यदा-कदा ही देखने को मिलता है। मध्य आकाश में जब विमान पूरी तरह स्वचालित या अर्ध-स्वचालित प्रणालियों के सहारे अपनी निर्धारित गति से बढ़ रहा था, तब किसी ने सपने में भी नहीं सोचा था कि कॉकपिट की सुरक्षा के लिए बने अभेद्य सुरक्षा किलों के भीतर से ही कोई काल बनकर उभर आएगा। सह-पायलट के सिर पर सवार हुए चरमपंथी अथवा विक्षिप्तता के भूत ने जिस क्षण विमान का नियंत्रण अपने हाथ में लेकर उसे जानबूझकर गहरी गिरावट की ओर मोड़ा, उसी क्षण कॉकपिट के भीतर का वातावरण किसी भयावह दुःस्वप्न में बदल गया। अचानक हुए इस तीखे हमले में कैप्टन रिमत गंभीर रूप से घायल हो चुके थे, उनके शरीर से अत्यधिक रक्तस्राव हो रहा था और शारीरिक वेदना अपने चरम पर थी, किंतु ऐसे संकट के समय में भी उनका मस्तिष्क और विवेक पूरी तरह जागृत था। एक सामान्य मानव स्वभाव



ऐसी स्थिति में भयभीत होकर आत्मसमर्पण कर सकता था या अपनी जान बचाने के लिए रक्षामुक मुद्दा में आ सकता था, लेकिन कैप्टन रिमत ने अपने व्यक्तिगत अस्तित्व और पीड़ा को एक तरफ रखते हुए केवल उन सैकड़ों जिंदगियों के बारे में सोचा जो उनके निर्णयों पर टिकी हुई थीं। कैप्टन रिमत द्वारा लहलूहान अवस्था में भी हमलावर सह-पायलट से लगातार जूझते रहना और उसी घमासान के बीच एक-एक संकट का सही उपयोग करते हुए कॉकपिट का सुरक्षित लोक खोल देना, उनकी रणनीतिक दूरदर्शिता और असाधारण सूझबूझ को दर्शाता है। ग्यारह सितंबर के कुख्यात आतंकवादी हमलों के पश्चात दुनिया भर में नागरिक विमानों के इस तरह डिजाइन किया गया था कि बाहर से कोई भी अवॉल्टिड व्यक्ति या उपद्रवी किसी भी सुरत में अंदर प्रवेश न कर सके। लेकिन सुरक्षा की यही अभेद्य दीवार उस दिन एक दोधारी तलवार बन चुकी थी, क्योंकि खतरा बाहर से नहीं बल्कि अंदर से पैदा हुआ था। ऐसे में यदि कैप्टन रिमत अंतिम क्षणों में साहस का परिचय देकर कॉकपिट का आपातकालीन दरवाजा न अनलॉक करते, तो बाहर मौजूद केबिन क़रू और यात्रियों को कभी भी यह अहसास नहीं हो पाता कि कॉकपिट के भीतर कितना भयानक खेल खेला जा रहा है और विमान तेजी से ज़मीन की ओर क्यों गिर रहा है। उनके द्वारा खोले गए उस एक दरवाजे ने बाहर मौजूद ऑफ-ड्यूटी पायलटों, सजग क़रू मेंबर्स और यात्रियों को अंदर घुसने और हमलावर को काबू में करने का वह जीववरक्षक मार्ग प्रदान किया जिसने इतिहास की एक सबसे दर्दनाक हवाई दुर्घटना को एक अभूतपूर्व विजय गाथा में तब्दील कर दिया। इस पूरी घटना का एक अत्यंत

सुंदर और प्रेरणादायक पहलू वह वैश्विक मानवीय एकजुटता भी है जो संकट के उस महा-समुद्र में स्वतःस्फूर्त होकर उभरी। जब कॉकपिट का दरवाजा खुला और भीतर का भयावह दृश्य सामने आया, तब जातीय, राष्ट्रीय, धार्मिक और वैचारिक सीमाओं से परे हटकर यात्रियों और क़रू मेंबर्स ने एक जैसा साहस दिखाया। भारतीय कैप्टन के बहते खून और उनके अदम्य संघर्ष को देखकर इज़राइली, यूरोपीय और अन्य देशों के यात्रियों ने बिना एक पल की देरी किए कॉकपिट में प्रवेश किया और हमलावर सह-पायलट को दबोच लिया। यह दृश्य इस बात का सजीव प्रमाण है कि जब मानवता पर कोई बड़ा संकट मंडराता है, तो मनुष्य की अंतरात्मा में छिपा भ्रातृत्व और साहस का भाव जागृत हो जाता है और वह हर प्रकार के पूर्वाग्रहों को भुलाकर एक दूसरे की ढाल बन जाता है। सऊदी अरब के तबूक हवाई अड्डे पर विमान की जो सुरक्षित इमरजेंसी लैंडिंग कराई गई, वह केवल यांत्रिक सफलता नहीं थी, बल्कि विभिन्न देशों के पायलटों, एटीसी कंट्रोलर्स और केबिन क़रू के बीच के उस उत्कृष्ट समन्वय का प्रतिफल थी, जिसकी नींव कैप्टन रिमत मच्छर के प्रातिभिक प्रतिकार और बलिदान पर रखी थी। हालाँकि, इस साहसिक प्रकरण की अपार सफलता और कैप्टन रिमत की वैश्विक प्रशंसा के बीच, यह घटना विश्व भर की विमानन सुरक्षा एजेंसियों और नीति-निर्माताओं के सामने कई यक्ष प्रश्न भी खड़े करती है जिनका उत्तर ढूँढना अब अनिवार्य हो गया है। दशकों से उड्डयन उद्योग का पूरा ध्यान यात्रियों की सघन चेकिंग, सामान की स्कैनिंग और बाहरी खतरों को रोकने पर केंद्रित रहा है। लेकिन जब खतरा खुद उस व्यक्ति से हो जिसे सैकड़ों लोगों की सुरक्षा का दायित्व सौंपा गया है, तो फिर

सुरक्षा के पैमाने क्या होने चाहिए? उड़ान से पूर्व पायलटों और सह-पायलटों की केवल शारीरिक फिटनेस ही काफी नहीं है, बल्कि उनके मानसिक स्वास्थ्य, उनके अव??? के स्तर, उनके उग्रवादी या चरमपंथी झुकाव और उनके व्यक्तिगत तनावों की निरंतर और वैज्ञानिक जाँच किया जाना समय की सबसे बड़ी माँग बन चुकी है। %मेंटल हेल्थ स्क्रीनिंग% और %साइकोलॉजिकल प्रोफाइलिंग% को अब केवल औपचारिकता न मानकर एक अनिवार्य, पारदर्शी और कठोर सुरक्षा मानक के रूप में लागू करना होगा। इसके साथ ही, कॉकपिट के भीतर आपातकालीन स्थितियों से निपटने के लिए क़रू ट्रेनिंग के नए प्रोटोकॉल विकसित करने होंगे ताकि भविष्य में यदि कभी कोई सह-पायलट या पायलट अचानक हिंसक या असामान्य आचरण करे, तो उसे तुरंत बेअसर करने की तकनीकी व्यवस्था मौजूद हो। कैप्टन रिमत मच्छर के इस अद्भुत पराक्रम ने संपूर्ण भारतवर्ष को वैश्विक मंच पर एक बार फिर गर्व से भर दिया है। भारत के प्रधानमंत्री, राष्ट्रपति और अंतरराष्ट्रीय समुदाय के शीर्ष नेताओं द्वारा उनकी मुक्तकंठ से की गई सराहना केवल एक व्यक्ति का सम्मान नहीं है, बल्कि यह उस भारतीय जीवन-मूल्य और संस्कृति का सम्मान है जो %आत्मनः मोक्षार्थं जगद्धिताय च% तथा %परोपकारार्थं इदं शरीरम्% के सिद्धांतों पर आधारित है। विपरीत से विपरीत परिस्थितियों में भी धैर्य न खोना, अपने प्राणों की बाजी लगाकर भी दूसरों के जीवन की रक्षा करना और अपने पद तथा दायित्व के प्रति पूर्णतः निष्ठावान रहना ही एक सच्चे सैनिक और नायक की पहचान होती है। कैप्टन रिमत ने आकाश की असीम ऊँचाइयों में भारतीय चरित्र के इसी उज्ज्वल पक्ष को अपनी निष्ठा और रक्त से रेखांकित किया है। उन्होंने यह साबित कर दिया है कि एक सच्चा लीडर वही होता है जो सबसे विकट परिस्थिति में भी अग्रिम पॉिक के लिए अंकित रहेगा। यह गाथा केवल एक दुर्घटना से बचाव की कहानी नहीं है, बल्कि यह मनुष्य के भीतर छिपी उस अनंत क्षमता, अदम्य जीजीविषा और निस्वार्थ कर्तव्य-चेतना का एक ऐसे महाकाव्य है जो आने वाली पीढ़ियों को यह सिखाता रहेगा कि परिस्थितियाँ चाहे कितनी भी भयावह क्यों न हों, संकट कितना भी विशाल क्यों न हो और मृत्यु कितनी भी निकट क्यों न खड़ी हो, यदि मनुष्य का संकल्प सुदृढ़ है और उसका ध्येय पवित्र है, तो वह अंधकार के सबसे गहरे समंदर को चीरकर भी विजय का उजाला बिखेर सकता है।

प्रतीभा रांटा ने ‘द रेवोल्यूशनरीज’ में अपने किरदार को लेकर की बात, कहा- जिज्ञासु थी प्रतिभा लाहिड़ी और पढ़ने की थी शौकीन

‘द रेवोल्यूशनरीज़’ में स्वतंत्रता सेनानी प्रतिभा लाहिड़ी का किरदार निभाने वाली एक्ट्रेस प्रतिभा रांटा ने सीरीज में अपने किरदार के बारे में जानकारी दी है। प्रतीभा रांटा ने कहा, हमें सार्वजनिक तौर पर प्रतिभा लाहिड़ी के बारे में ज्यादा जानकारी नहीं मिलती है और यही बात निखिल सर ने भी मुझसे कही थी, जब हम प्रतिभा लाहिड़ी के बारे में चर्चा किया करते थे। जब चंद्रशेखर आजाद अंग्रेजों से लड़ रहे थे, तब उनकी बंदूक में एक आखिरी गोली बची थी।

उसी समय उन्होंने खुद को गोली मार ली, ताकि अंग्रेज उन्हें पकड़कर मुठभेड़ में न मार सकें। इसके बाद प्रतिभा लाहिड़ी ने उनके अस्थि-अवशेषों की राख युवा क्रांतिकारियों के माथे पर लगाई थी। अब आप ऐसे व्यक्ति के बारे में सोचिए, जो यह समझने में सक्षम हो कि यह एक युवा पीढ़ी है।

जेलर 2 में विद्या बालन की धमाकेदार एंट्री, फर्स्ट लुक में स्वैग देख लोगों को याद आई डर्टी पिक्चर की रेशमा

जेलर 2 की रिलीज डेट जैसे-जैसे नजदीक आ रही है, वैसे-वैसे मेकर्स दर्शकों के लिए फिल्म से एक-एक कर सरप्राइज छोड़ रहे हैं. अब जेलर 2 के निर्माता ने रजनीकांत स्टारर फिल्म से विद्या बालन की पहली झलक पेश की है. इससे पहले मेकर्स ने एसजे सुर्या का बोधि और सूरज वेंजारामुडु का दिलीप लुक पेश किया था. निर्माताओं ने विद्या के किरदार का पहला टीजर जारी किया है. वह कांथा का किरदार निभा रही हैं, जो एक नया और रहस्यमय किरदार है, जिसे नए वीडियो में दमदार तरीके से पेश किया गया है.

विद्या नीली साड़ी और काले ब्लाउज में, हाथ में सिगरेट लिए, सीढ़ियों से उतरकर एक कमरे में जाती

हुई दिख रही हैं. इसके अलावा ज्यादा कुछ पता नहीं चलता, लेकिन इस छोटी सी झलक से एक बात स्पष्ट हो जाती है कि कांथा को एक शांत स्वभाव वाली शख्सियत के रूप में पेश नहीं किया जा रहा है. विद्या इस सीन में एक विशेष अधिकार का भाव दर्शाती है, जबकि अनिरुद्ध रविचंद्र का संगीत माहौल को और भी प्रभावशाली बना देता है.

फिल्म निर्माताओं ने अभी तक कांथा की कहानी में भूमिका का खुलासा नहीं किया है. हालांकि, खबरों के मुताबिक विद्या, मिथुन चक्रवर्ती की सबसे बड़ी बेटी का किरदार निभाएंगी. बताया जा रहा है कि मिथुन जेलर 2 में मुख्य खलनायक हैं और रजनीकांत के साथ स्क्रीन शेयर करेंगे. इससे पहले सोशल मीडिया पर विद्या का जेलर 2 लुक छा गया है और फैंस उन पर खूब प्यार लुटा रहे हैं. कईयों को जेलर 2 में विद्या का यह दमदार अंदाज देख एक्स्ट्रेस की फिल्म डर्टी पिक्चर में उनका रेशमा का किरदार याद आ गया है.



उन्होंने आगे कहा, उन्हें यह बताना जरूरी था कि देश को आजादी दिलाने के लिए किस तरह का बलिदान दिया जा रहा है। यह सुनिश्चित करना कि उस संदेश को आगे पहुंचाया जाए। तो जब वह 17 साल की रही होंगी, तब वह कैसी रही होंगी? उस समय उन्हें किन सामाजिक मानदंडों से लड़ना पड़ता होगा? वह दुनिया को किस नजरिए से देखती होंगी? मेरे लिए प्रतिभा लाहिड़ी एक जिज्ञासु लड़की थीं। वह अपने आसपास हो रही हर चीज के बारे में जानना चाहती थीं ने आगे बताया, वह पढ़ने की बहुत शौकीन थीं। उनकी पढ़ाई में भी काफी दिलचस्पी थी। दरअसल, प्रतिभा और सचिंद्र नाथ सात्याल के बीच जिन पत्रों का आदान-प्रदान हुआ था, उन सभी को वह हल कर लेती थीं, क्योंकि वह बहुत होशियार और तेज-तर्रार थीं। वह कोडेड पत्रों को समझ लेती थीं। यह वाकई बिल्कुल अद्भुत था।

‘द रेवोल्यूशनरीज’ चार स्वतंत्रता सेनानियों रास बिहारी बोस, प्रतिभा लाहिड़ी, सचिंद्र नाथ सात्याल और बाबा जतिन की कहानी है, जिन्होंने ब्रिटिश राज के खिलाफ मोर्चा संभाला था। यह सीरीज सच्ची घटनाओं से प्रेरित है और भारत के स्वतंत्रता संग्राम की पृष्ठभूमि पर आधारित है। सीरीज में रोहित सराफ, प्रतीभा रांटा, गुरफतेह पोरजादा और जेसन शाह भी अहम भूमिकाओं में नजर आ रहे हैं।यह शो उन भारतीय स्वतंत्रता सेनानियों की कहानी बताता है, जो मानते थे कि ब्रिटिश राज को खत्म करने के लिए सशस्त्र प्रतिरोध न केवल जरूरी था, बल्कि अपरिहार्य भी था। इन क्रांतिकारियों के लगातार प्रयासों के कारण ही ब्रिटिश साम्राज्य को अपनी राजधानी को कोलकाता से दिल्ली स्थानांतरित करना पड़ा था।

‘ये प्रेम मोल लिया’ का पहला गाना जारी, आयुष्मान और शरवरी की जोड़ी ने बिखेरा रोमांस

निर्देशक सूरज बड़जात्या की बहुप्रतीक्षित फिल्म ‘ये प्रेम मोल लिया’ का पहला गाना और शीर्षक गीत जारी कर दिया गया है। आयुष्मान खुराना और शरवरी अभिनीत यह फिल्म प्रेम, विवाह, रिश्तों और भारतीय संस्कृति के भावनात्मक ताने-बाने पर आधारित पारिवारिक-रोमांटिक कहानी है। फिल्म का निर्माण राजश्री प्रोडक्शंस और महावीर जैन फिल्म्स ने मिलकर किया है।

फिल्म के शीर्षक गीत का लोकार्पण 20 सितंबर को मुंबई के रॉयल ओपेरा हाउस में किया गया। इस मौके पर संगीतकार हिमेश रेशमिया ने गीत को लाइव प्रस्तुति दी। कार्यक्रम में फिल्म की टीम और संगीत से जुड़े कलाकारों की मौजूदगी ने आयोजन को खास बना दिया।

‘ये प्रेम मोल लिया’ शीर्षक गीत को मशहूर गायिका श्रेया घोषाल और निहाल तौरों ने अपनी आवाज दी है। गीत का संगीत हिमेश रेशमिया ने तैयार किया है, जबकि इसके बोल कुमार ने लिखे हैं। गीत में प्रेम और पारिवारिक भावनाओं को प्रमुखता दी गई है।

बॉक्स ऑफिस पर 45वें दिन हनुमान अंश ने मचाया बवाल, कमाई में 40 फीसदी उछाल, कलेक्शन 350 करोड़ के पास

0हनुमान अंश अपनी शानदार थिएटर सफलता को सातवें सप्ताह में भी बरकरार रखे हुए है. विशाल चतुर्वेदी द्वारा निर्देशित यह आध्यात्मिक ड्रामा फिल्म भारत में 45वें दिन छा गई. शनिवार से फिल्म के घरेलू कारोबार में 40 प्रतिशत की शानदार बढ़ोतरी दर्ज की गई है, जिससे बॉक्स ऑफिस पर इसकी असाधारण सफलता और भी बढ़ गई है. अब फिल्म वर्ल्डवाइड 350 करोड़ रुपये का आंकड़ा पार करने की ओर बढ़ रही है.

सैकनिल्क के अनुसार, हनुमान अंश ने 45वें दिन(रविवार) 13.75 करोड़ रुपये का नेट कलेक्शन किया है. हनुमान अंश ने रविवार को भारत में 7,628 शो से यह कलेक्शन किया है. फिल्म ने 44वें दिन 9.75 करोड़ रुपये का नेट कलेक्शन किया था, जिसका मतलब है कि एक ही दिन में इसके कारोबार में 40 प्रतिशत की वृद्धि हुई. भारत में इसका कुल नेट कलेक्शन अब 271.88 करोड़ रुपये हो गया है, जबकि कुल ग्राँस कमाई 321.05 करोड़ रुपये तक पहुंच गई है.

फिल्म ने 45वें दिन विदेशी बाजारों से भी 1.50 करोड़ रुपये कमाए. इसका कुल विदेशी कलेक्शन अब 26 करोड़ रुपये हो गया है. घरेलू और अंतरराष्ट्रीय कलेक्शन को मिलाकर, हनुमान अंश का वैश्विक कलेक्शन 347.05 करोड़ रुपये तक पहुंच गया है.

फिल्म के हालिया तीन दिनों के प्रदर्शन में जबरदस्त उछाल देखने को मिला है. हनुमान अंश ने 43वें दिन 5 करोड़ रुपये, इसके बाद



शनिवार को 9.75 करोड़ रुपये और रविवार को 13.75 करोड़ रुपये कमाए,0हिंदी 2डी ने 45वें दिन कुल 45.46 प्रतिशत ऑक्जूप्रेंसी दर्ज की. शाम के शो की ऑक्जूप्रेंसी 62.23 प्रतिशत रही, जबकि दोपहर के शो की ऑक्जूप्रेंसी 54.54 प्रतिशत रही. रात और सुबह के शो की

मोपाल, शनिवार 03 अक्टूबर 2026
www.rashtriyagarima.com
05
डीप नेक चोली और रेड लहंगा, बोल्ड ट्रेडिशनल लुक से दिशा पाटनी ने इंटरनेट पर मचाया तहलका
बॉलीवुड की सबसे फिट और स्टनिंग अभिनेत्रियों में शुमार दिशा पाटनी एक बार फिर अपने नए और दिलकश अंदाज से सुर्खियों में हैं। सोशल मीडिया पर एक्टिव रहने वाली दिशा ने हाल ही में अपने इंस्टाग्राम पर पारंपरिक रेड लहंगे में कुछ तस्वीरें शेयर की हैं, जिन्हें देखकर फैंस की धड़कनें तेज हो गई हैं। वेस्टन आउटफिट्स में तहलका मचाने के बाद, दिशा का यह देसी लेकिन बेहद ग्लैमरस अवतार इंटरनेट पर धूम मचा रहा है। दिशा ने रॉयल रेड कलर का भारी कढ़ाई वाला लहंगे का सेट पहना है। इस पारंपरिक एथनिक आउटफिट पर बारीक सुनहरे और रेशमी धागों की डिटेलिंग, फ्लोरल मोटिफ्स और बॉर्डर पर खूबसूरत गोटा-पट्टी या एम्बेलिशमेंट वर्क नजर आ रहा है। आउटफिट का सबसे मुख्य आकर्षण उनकी डीप-कट नेकलाइन वाली स्लीवलेस क्रॉप चोली है। यह चोली उनके स्लीक बॉडी कर्व्स और टोंड फिगर को बेहद खूबसूरती से फ्लॉन्ट कर रही है। इसके साथ दिशा ने मैचिंग रेड नेट का दुपट्टा कैरी किया है, जिस पर लाइट सीक्रेंस और कट-वर्क बॉर्डर बना हुआ है। इस क्लासिक और बोल्ड लहंगे का चुनाव उन्हें एक आधुनिक राजकुमारी जैसा लुक दे रहा है। तस्वीरों में दिशा पाटनी का आत्मविश्वास और उनका कातिलाना पोज देने का अंदाज साफ झलक रहा है। अलग-अलग एंगल्स में कराए गए इस फोटोशूट में दिशा ने कभी कैमरे की ओर देखते हुए नशीली निगाहों से पोज दिया है, तो कभी नीचे झुककर अपने हेयरस्ट्रैंड्स को संभालते हुए एक सिड्यूक्टिव लुक दिया है। अपने इस पारंपरिक लुक को दिशा ने बहुत ही बैलेंस्ड मेकअप और हेयरस्टाइल के साथ पूरा किया है। उन्होंने अपने लंबे, घने और डार्क बालों को पूरी तरह से खुला रखा है। बालों में हल्की सी मेसी और नेचुरल वेक्स उनके चेहरे पर गिरती हुई बेहद खूबसूरत लग रही हैं। मेकअप की बात करें तो दिशा ने मैट-फिनिश बेस के साथ स्मोकी आइज, परफेक्टली शेड आइब्रोज और प्लम/न्यूड-शेड लिपस्टिक का चुनाव किया है। गालों पर लगा हल्का सा ब्लश उनके चेहरे की प्राकृतिक चमक को बढ़ा रहा है।



अपने इस बोल्ड एथनिक लुक में विटेज टच देने के लिए दिशा ने हेवी स्टेटमेंट इयररिंग्स चुने हैं। हाथों में बारीक डिजाइन वाले कूंदन और पत्ते जड़े कड़े तथा उंगलियों में बड़ी सी कॉंकटेल रिंग उनके हाथों की शोभा बढ़ा रही है।दिशा पाटनी का यह नया फोटोशूट इस बात का सबूत है कि वे न केवल मॉडर्न और बिकिनी लुक्स में परफेक्ट दिखती हैं, बल्कि जब बात एथनिक या इंडियन वियर की आती है, तो भी वे अपने स्टायल और बोल्डनेस के अनोखे मेल से हर किसी को अपना दीवाना बना सकती हैं।

ऑक्जूप्रेंसी क्रमशः 37.23 प्रतिशत और 27.85 प्रतिशत रही. हनुमान अंश ने सिनेमाघरों में अपनी रिलीज के अंतिम सप्ताहों में उल्लेखनीय गति पकड़ी है. पहले दो सप्ताहों की सामान्य शुरुआत के बाद, फिल्म ने तीसरे सप्ताह में जबरदस्त उछाल देखा और चौथे, पांचवें और छठे सप्ताह में भी यह सिलसिला जारी रहा. फिल्म ने पहले सप्ताह में 1.08 करोड़ रुपये और दूसरे सप्ताह में 40 लाख रुपये कमाए. तीसरे सप्ताह में 10.40 करोड़ रुपये का इजाफा हुआ, जबकि चौथे सप्ताह में फिल्म ने 61 करोड़ रुपये कमाए. पांचवें सप्ताह में इसने 90.25 करोड़ रुपये का योगदान दिया, जिसके बाद छठे सप्ताह में 80.25 करोड़ रुपये का और इजाफा हुआ.

विशाल चतुर्वेदी द्वारा लिखित और निर्देशित, हनुमान अंश नीम करोली बाबा के जीवन और यात्रा पर आधारित एक आध्यात्मिक फिल्म है. फिल्म में अनिल रस्तोगी, सुगंधा मल्होत्रा, भगवानदास पटेल और नेहा परांजपे के साथ शोभिनव सत्या और विहान शेडगे मुख्य भूमिका में हैं.यह कहानी स्वतंत्रता-पूर्व भारत के एक युवा लड़के लक्ष्मी नारायण की है, जो अपनी मां को खो देता है और ईश्वर की खोज में घर छोड़ देता है. उसकी यात्रा उसे उत्तरी भारत के विभिन्न हिस्सों में ले जाती है, जहां अनेक अनुभवों से उसका आध्यात्मिक मार्ग धीरे-धीरे आकार लेता है और आखिर में वह नीम करोली बाबा बन जाता है.

पाचन तंत्र को मजबूत बनाता है सुप्त विरासन, कमर दर्द और थकान से मिलेगा आराम, मन होगा शांत

जिम के तौलिए को ताजा रखने के लिए अपनाएं ये 5 तरीके



जिम में पसीना पोछने के लिए तौलिए का इस्तेमाल करना रोजमर्रा की आदत बन जाती है, लेकिन अगर तौलिया साफ और ताजा न हो तो यह न केवल बदबू फैलाता है, बल्कि ल्चका पर भी असर डाल सकता है। इसलिए जिम के तौलिए को साफ और ताजा रखना बहुत जरूरी है। आइए कुछ ऐसे आसान तरीके जानते हैं, जिनके जरिए आप अपने जिम के तौलिए को हमेशा साफ-सुथरा और खुशबूदार रख सकते हैं।

गीले तौलिए को तुरंत धोएं

जिम से लौटने के बाद गीले तौलिए को तुरंत धोना सबसे जरूरी होता है। अगर गीले तौलिए को धोए बिना छोड़ दिया जाए तो उसमें कीटाणु और गंध पैदा होने लगती हैं।हल्के गर्म पानी में थोड़ा साबुन डालकर तौलिए को अच्छी तरह धोएं। धोने के बाद इसे धूप में सुखाएं ताकि यह पूरी तरह से सूख जाए। धूप में सूखने से तौलिए में किसी भी तरह के कीटाणु खत्म हो जाते हैं।

नियमित सफाई करें

जिम के तौलिए को हफ्ते में कम से कम एक बार अच्छी तरह से धोना चाहिए। यह आदत तौलिए को साफ और पसीने की गंध से दूर रखती है।धोने के लिए हल्के साबुन का इस्तेमाल करें और ज्यादा रगड़ने से बचें ताकि तौलिए का कपड़ा खराब न हो। धोने के बाद इसे हमेशा खुली और हवादार जगह पर सुखाएं। इस आदत से आपका तौलिया साफ और लंबे समय तक इस्तेमाल के लायक बना रहेगा।

तौलिए को अलग रखें

जिम के तौलिए को अन्य सामानों से अलग रखना बहुत जरूरी है। अगर तौलिए को गंदे कपड़ों या जूतों के साथ रखा जाए तो उसमें बदबू और कीटाणु फैलने का खतरा बढ़ जाता है। तौलिए को हमेशा अलग पॉलीथिन या कपड़े के थैले में रखें। इसके अलावा कभी भी गीले तौलिए को बैग में न रखें क्योंकि इससे नमी बढ़ती है और कीटाणु जल्दी पनपते हैं। इस आदत से तौलिए को लंबे समय तक ताजा रखा जा सकता है।

हवा लगने दें

जिम से लौटने के बाद तौलिए को तुरंत खुली हवा में लटका दें। इससे तौलिए में मौजूद नमी जल्दी सूख जाती है और उसमें कीटाणु पनपने का खतरा कम होता है।

अगर धूप उपलब्ध हो तो तौलिए को धूप में सुखाएं। धूप के संपर्क में आने से तौलिए की गंध दूर होती है और यह ताजा महसूस होता है। ध्यान रखें कि तौलिए को कभी भी गीला या नमी भरा न छोड़ें।

खुशबू बनाए रखें

तौलिए में ताजगी बनाए रखने के लिए आप घर पर ही तैयार किए गए स्प्रे का इस्तेमाल कर सकते हैं।पानी में थोड़ा नींबू का रस या गुलाबजल मिलाकर इसे तौलिए पर हल्के से छिड़कें। इससे न केवल तौलिए में ताजगी बनी रहती है, बल्कि यह गंध को भी दूर करता है।

यह तरीका खासकर उन लोगों के लिए उपयोगी है, जो अपने तौलिए को लंबे समय तक ताजा रखना चाहते हैं।



योग में कुछ आसन ऐसे होते हैं, जो शारीरिक मुद्रा (पोश्चर) को सुधारने के साथ-साथ मन को भी गहरी शांति प्रदान करते हैं। सुप्त वीरासन उन्हीं विशेष आसनों में से एक है। नियमित रूप से इस आसन का अभ्यास करने से रीढ़ की हड्डी और कूल्हों का लचीलापन बढ़ता है, साथ ही जांघों की मांसपेशियों में खिंचाव (स्ट्रेच) भी आता है। सुप्त विरासन दो शब्दों से मिलकर बना है – सुप्त का अर्थ है लेटा या सोया हुआ और विरासन का अर्थ है वीर या योद्धा की मुद्रा में बैठना। इस आसन में विरासन में बैठकर पीछे की ओर लेटा जाता है, जिससे शरीर को एक गहरा स्ट्रेच और पूर्ण विश्राम का अनुभव होता है। यह न सिर्फ पाचन तंत्र को मजबूत करता है, बल्कि थके हुए पैरों को आराम, कमर दर्द से राहत और मन को गहरी शांति प्रदान करता है।

आयुष्य मंत्रालय ने सुप्त वीरासन को महत्वपूर्ण योगासन बताया है, जिसे सामान्य बोलचाल या कुछ क्षेत्रीय ग्रंथवलियों में सुप्त वज्रासन से मिलता-जुलता या इसका ही एक रूप माना जाता है। यह आसन शरीर को नई ऊर्जा और मानसिक शांति प्रदान करने के लिए एक बेहतरीन

पुनर्स्थापनात्मक अभ्यास है।

यह पेट की मांसपेशियों को भी स्ट्रेच करता है, जिससे पाचन शक्ति दुरुस्त होती है और कब्ज आदि में राहत मिलती है। साथ ही, यह छाती व हृदय केंद्र (अनाहत चक्र) को खोलता है, जिससे गहरी सांस लेने में मदद मिलती है और मानसिक तनाव व अवसाद कम होता है। लंबे समय तक खड़े रहने या पैदल चलने/साइकिल चलाने के बाद पैरों की थकान को तुरंत दूर करने में यह बेहद प्रभावी है।

इस योगासन को करने का सबसे अच्छा समय दोपहर के भोजन या रात के खाने के 15–20 मिनट बाद है। यह पाचन क्रिया को सुचारू बनाने में भी सहायक होता है। अगर आप इसे करने में सहज महसूस करते हैं, तो इसे अवश्य करें।

यदि कोई व्यक्ति घुटनों, टखनों या पीठ के निचले हिस्से (कमर) में गंभीर दर्द या चोट से ग्रसित है, तो वह इस आसन को करने से बचे। वहीं, गर्भवती महिलाओं को इस आसन को करने से पहले डॉक्टर की सलाह लेनी चाहिए।

अफ़गानिस्तान का दावा, पाकिस्तान ने कुनार व हेलमंद में किया हवाई हमला, 9 महिलाओं और बच्चों की मौत

काबुल। अफगानिस्तान के कुनार और हेलमंद प्रांतों में पाकिस्तानी हवाई हमलों को लेकर दोनों देशों के बीच तनाव बढ़ गया है। अफगानिस्तान की तालिबान सरकार ने दावा किया है कि हमलों में महिला व बच्चों समेत नौ नागरिकों की मौत हुई और 11 अन्य घायल हुए। वहीं, पाकिस्तान ने कहा है कि उसके हवाई हमलों में आतंकवादी ठिकानों को निशाना बनाया गया और शुरुआती रिपोर्ट के मुताबिक 22 आतंकवादी मारे गए। दोनों पक्षों के दावों की स्वतंत्र रूप से पुष्टि नहीं हो सकी है। बलूचिस्तान की ऑनलाइन समाचार नेटवर्क द बलूचिस्तान पोस्ट के मुताबिक, अफगान सरकार के प्रवक्ता जबीहुल्लाह मुजाहिद के अनुसार, बुधवार रात किए गए हमलों में कुनार के शुलतान जिले के चोगम और हेलमंद के गर्मसेर जिले के सफार में तीन घरों को निशाना



बनाया गया। उन्होंने आरोप लगाया कि हमलों में महिलाओं और बच्चों की मौत हुई। मुजाहिद ने पाकिस्तानी कार्रवाई को आक्रमकता बताते हुए इसकी निंदा की। दूसरी ओर, पाकिस्तान के सूचना मंत्रालय

ने कहा कि हवाई हमले विश्वसनीय खुफिया जानकारी के आधार पर किए गए और दो स्थानों पर आतंकवादी शिविरों तथा ठिकानों को निशाना बनाया गया। मंत्रालय के अनुसार, लक्ष्यों को सटीकता से नष्ट किया

गया और शुरुआती रिपोर्टों में 22 आतंकवादियों के मारे जाने की जानकारी है। पाकिस्तान ने यह भी कहा कि इन ठिकानों पर मौजूद हथियार और गोला-बारूद नष्ट किए गए तथा नागरिकों को नुकसान से बचाने के लिए सावधानी बरती गई। संयुक्त राष्ट्र सहायता मिशन इन अफगानिस्तान (यूएनएमए) ने भी हवाई हमलों में नागरिकों के हताहत होने की सूचना दी है। उसके अनुसार कम से कम 10 नागरिकों की मौत हुई, जिनमें अधिकतर बच्चे थे, जबकि नौ लोग घायल हुए। संयुक्त राष्ट्र ने सीमा पार हिंसा को लेकर दोनों पक्षों से तनाव कम करने और संवाद का रास्ता अपनाने की अपील की है। पाकिस्तान लंबे समय से अफगानिस्तान को पनाह देने का आरोप लगाता रहा है, जो पाकिस्तान में हमले करते हैं। काबुल इन

आरोपों को खारिज करता है और पाकिस्तान में होने वाली आतंकवादी गतिविधियों को उसका आंतरिक मामला बताता है। दोनों देशों के बीच सीमा पार हमलों और सैन्य कार्रवाइयों को लेकर तनाव हाल के महीनों में बढ़ा है। हालिया घटनाक्रम में अफगान रक्षा मंत्रालय ने पाकिस्तान से आए एक सशस्त्र समूह के साथ नूरिस्तान में हुई झड़प को लेकर भी दावे किए थे। पाकिस्तान ने इन आरोपों को खारिज किया है और अफगानिस्तान के पूर्व सुरक्षा कर्मियों की भर्ती या प्रशिक्षण से जुड़े आरोपों से भी इनकार किया है। कुनार और हेलमंद में हुए ताजा हवाई हमलों के बाद दोनों देशों के बीच आरोप-प्रत्यारोप फिर तेज हो गए हैं। फिलहाल हमलों में मारे गए लोगों की संख्या और लक्ष्यों को लेकर दोनों पक्षों के दावों में स्पष्ट अंतर है।

नासा के स्पेसएक्स वरू-13 ने रचा इतिहास, महज 7:55 घंटे में आईएसएस पहुंचा ड्रैगन

वाशिंगटन। नासा का स्पेसएक्स वरू-13 मिशन गुरुवार को रिकॉर्ड समय में अंतराष्ट्रीय अंतरिक्ष स्टेशन (आईएसएस) पहुंच गया। स्पेसएक्स के ड्रैगन अंतरिक्ष यान ने लॉन्च के महज 7 घंटे 55 मिनट बाद आईएसएस के हार्मनी मॉड्यूल के फॉरवर्ड पोर्ट पर सफलतापूर्वक डॉकिंग की। नासा के अनुसार, यह आईएसएस के इतिहास में किसी अमेरिकी अंतरिक्ष यान का सबसे तेज लॉन्च-टू-डॉकिंग समय है। तुर्किए की सरकारी समाचार एजेंसी अनाडोलू के मुताबिक, वरू-13 मिशन को लेकर स्पेसएक्स का फाल्कन-9 रॉकेट गुरुवार को स्थानीय समयानुसार सुबह 11:10 बजे फ्लोरिडा के केप कैनावेरल स्पेस फोर्स स्टेशन स्थित स्पेस लॉन्च कॉम्प्लेक्स-40 से रवाना हुआ। ड्रैगन अंतरिक्ष यान में नासा की अंतरिक्ष यात्री जेसिका वॉटकिंस और ल्यूक डेलानी, कनाडाई अंतरिक्ष एजेंसी (सीएसए) के अंतरिक्ष यात्री जेरोशुआ कुट्टिक तथा रूस की रोस्कोस्मोस के कॉस्मोनॉट

सर्गेई टेरेरियाटनिकोव सवार थे। लॉन्च के बाद फाल्कन-9 का पहला चरण दूसरे चरण से अलग हुआ और सफलतापूर्वक केप कैनावेरल स्थित स्पेसएक्स के लैंडिंग ज़ोन-40 में वापस उतरा। इसके बाद ड्रैगन अंतरिक्ष यान दूसरे चरण से अलग होकर अपनी कक्षा में पहुंचा और आईएसएस की ओर बढ़ा। ड्रैगन ने शाम 7:55 बजे पर आईएसएस के हार्मनी मॉड्यूल के फॉरवर्ड पोर्ट से डॉकिंग की। नासा ने बताया कि लॉन्च से डॉकिंग तक कुल समय 7 घंटे 55 मिनट रहा, जो अंतरराष्ट्रीय अंतरिक्ष स्टेशन तक पहुंचने वाला किसी अमेरिकी अंतरिक्ष यान का अब तक का सबसे तेज सफर है। डॉकिंग के बाद अंतरिक्ष यात्रियों ने आवश्यक लीक चेक और प्रेशराइजेशन प्रक्रियाएं पूरी कीं। इसके बाद रात 9:19 बजे पर ड्रैगन का हैच खोला गया और चारों अंतरिक्ष यात्री अंतरराष्ट्रीय अंतरिक्ष स्टेशन के अंदर पहुंचे। वरू-13 अब आईएसएस पर मौजूद अभियान 75 दल में शामिल हो गया है।

ईरान पर अमेरिकी शिकंजा और कसा, जिम्बाब्वे में ऑटो व रेलवे कंपनियों पर नए प्रतिबंध

वाशिंगटन। अमेरिका ने ईरान पर आर्थिक दबाव बढ़ाते हुए उसके प्रमुख वाहन निर्माताओं और रेलवे कंपनियों के साथ कुछ विदेशी आपूर्तिकर्ताओं पर नए प्रतिबंध लगाए हैं। अमेरिकी वित्त मंत्रालय के मुताबिक, इस कार्रवाई का उद्देश्य ईरान की युद्ध संबंधी गतिविधियों, मिसाइल निर्माण और इस्तामिक रिजोल्यूशनरी गार्ड कॉर्पस (आईआरजीसी) को मिलने वाले वित्तीय संसाधनों पर रोक लगाना है। अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप प्रशासन ने यह कदम ‘ऑपरेशन इकोनॉमिक आइटकास्ट’ के तहत उठाया है। अगस्त में घोषित इस अभियान के जरिए वाशिंगटन ईरान की आय के स्रोतों को सीमित कर उसे युद्ध

समाप्त करने के लिए बातचीत पर मजबूर करना चाहता है। प्रतिबंधों के दायरे में ईरान की प्रमुख वाहन निर्माता कंपनियां ईरान खोदो कंपनी (आईकेसीओ) और सैपा (एसएआईपीए) शामिल हैं। अमेरिकी वित्त मंत्रालय के अनुसार, इन दोनों कंपनियों की ईरान के घरेलू वाहन बाजार में 90 प्रतिशत से अधिक हिस्सेदारी है। इसके अलावा, सरकारी रेलवे कंपनी इस्लामिक रिपब्लिक ऑफ ईरान रेलवे, राजा पैर्सेजर ट्रेन्स और निजी मालवाहक कंपनी रेलवे ट्रांसपोर्टेशन कंपनी को भी प्रतिबंधित किया गया है। इन कंपनियों के जरिए यात्री और माल परिवहन किया जाता है।

जिम्बाब्वे में हेलिकॉप्टर हादसा

हरारे (जिम्बाब्वे)। जिम्बाब्वे के मरोनडेरा में बुधवार को हेलिकॉप्टर क्रैश हो गया। इसके बाद उसमें आग लग गई। हेलिकॉप्टर में चार यात्री और दो क्रू मेंबर सवार थे। हादसे में सभी छह लोगों की मौत हो गई। मृतकों में 43 वर्षीय उद्योगपति विकनेल चिवायो और उनकी पत्नी लूसी मुतेके भी शामिल हैं। चिवायो को राष्ट्रपति एमर्सन मनांगान्वा का करीबी माना जाता था। जिम्बाब्वे के अखबार न्यूज डे की रिपोर्ट के अनुसार, यह हादसा राजधानी हरारे से करीब 70 किलोमीटर पूर्व मरोनडेरा में गिरा। पुलिस को हादसे की जानकारी बुधवार शाम करीब पां बजे मिली।

नेपाल बाढ़ के एक महीने बाद राहत और पुनर्वास के नए चरण में

काठमांडू, नेपाल सरकार ने विनाशकारी बाढ़ के एक महीने बाद खोज एवं बचाव अभियान से खोज, पुनर्प्राप्ति और पुनर्वास के चरण में जाने का फैसला किया है। आज से सरकार ने बचाव अभियान पूरा होने की घोषणा करते हुए अब कानून में संशोधन कर लापता लोगों को मृत घोषित करने, उनके परिवारों को राहत देने, अस्थायी आवास बनाने और विस्थापितों के पुनर्वास की प्रक्रिया आगे बढ़ाने का निर्णय लिया है। इसके अलावा किराए के मकान में रहना चाहने वाले परिवारों को मासिक 15 हजार रुपये देने की प्रक्रिया भी शुरू की जाएगी। गृहमंत्री सुधन गुरुंग की अध्यक्षता में हुई राष्ट्रीय आपदा जोखिम न्यूनीकरण तथा प्रबंधन कार्यकारी समिति की 37वीं बैठक में यह निर्णय लिया गया। समिति के सदस्य- सचिव एवं आपदा प्रबंधन प्राधिकरण के कार्यकारी प्रमुख डॉ. धर्मराज उप्रेती ने बताया कि नेपाली सेना, नेपाल पुलिस, सशस्त्र पुलिस बल और जिला सुरक्षा समितियों

की रिपोर्ट का विश्लेषण करने के बाद यह फैसला लिया गया। उन्होंने कहा कि जलविद्युत परियोजनाओं के दो टटल और कुछ अन्य मलबे वाले क्षेत्रों में अभी भी खोज अभियान जारी है, लेकिन अब किसी व्यक्ति के फंसे या दबे होने की स्थिति में बचाव अभियान चलाने की आवश्यकता नहीं है। इसी वजह से सरकार ने अभियान को नए चरण में ले जाने का फैसला किया है। डॉ. उप्रेती के अनुसार, भूमि व्यवस्था मंत्रालय के मंत्रीस्तरीय निर्णय से गठित समिति ने पुनर्वास के लिए उपयुक्त स्थानों की पहचान कर ली है। स्थानीय निकाय के निर्णय, जिला प्रशासन और आपदा प्रबंधन प्राधिकरण के समन्वय से रिपोर्ट में चिन्हित जमीनों में जरूरत के अनुसार अस्थायी आवास बनाए जाएंगे। उन्होंने बताया कि विकास साझेदार संस्थाओं को भी शामिल करते हुए भौतिक पूर्वाधार तथा यातायात मंत्रालय अस्थायी आवास निर्माण का काम करेगा।

आईईए परमाणु मुद्दों पर काम करते समय ईरान की मांगों पर विचार करने को तैयार : ग़ोसी

संयुक्त राष्ट्र। इंटरनेशनल एटॉमिक एनर्जी एजेंसी (आईईए) के डायरेक्टर जनरल राफेल ग़ोसी ने कहा कि परमाणु मुद्दों पर तेहरान के साथ सहयोग बढ़ाते समय एजेंसी ईरान की जरूरतों को ध्यान में रखने के लिए तैयार है। ग़ोसी ने रूसी एजेंसी रिया नोवोस्ती को दिए एक इंटरव्यू में कहा, हम इसे सम्मानजनक तरीके से कर सकते हैं। हम इसे ऐसे तरीके से कर सकते हैं जिसमें उनकी जरूरतों का ध्यान रखा जाए लेकिन परमाणु हथियारों के प्रसार को रोकने का काम जारी रहना चाहिए और आईईए के बोर्ड ऑफ़ गवर्नर्स ने कई बार यह बात दोहराई है। वहीं, राफेल ग़ोसी ने बताया कि यूक्रेन में चल रहे विवाद को सुलझाने के लिए रूसी राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन और अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप के बीच उच्च-स्तरीय बातचीत बहुत जरूरी है। ग़ोसी ने एक इंटरव्यू में कहा, मुझे लगता है कि राष्ट्रपति स्तर की कुटनीति बहुत जरूरी है। मैंने न सिर्फ़ राष्ट्रपति ट्रंप को बल्कि राष्ट्रपति पुतिन को भी – जिनसे मैंने इस बारे में कई बार बात की है, मांस्को में (अमेरिकी) स्पेशल एनवायं स्टीव वित्क्रोफ और जेरेड कुशनर से बात करते देखा है और मेरा मानना है कि यह बेहद अहम है।

बाढ़ के 38 दिन बाद भी तबाही के उद्गम स्थल तक नहीं पहुंच सकी नेपाल सरकार



चीन से ले रही सैटेलाइट डेटा

काठमांडू। नेपाल में रसुवा की भोटेकोसी नदी से होते हुए त्रिशुली और नारायणी नदियों में अचानक आई भीषण बाढ़ को 38 दिन हो चुके हैं। लेकिन इस आपदा की शुरुआत जिस स्थान से हुई, वहां 38 दिन बाद भी नेपाल सरकार की टीम नहीं पहुंच सकी है। वहीं, चीन की टीम अगले ही दिन उस स्थान पर पहुंच गई थी। आपदा के उद्गम स्थल तक नेपाली टीम के नहीं पहुंच पाने के सवाल पर राष्ट्रीय आपदा प्रबंधन प्राधिकरण के कार्यकारी प्रमुख डॉ. धर्मराज उप्रेती ने कहा, हम खुद उद्गम स्थल तक नहीं पहुंचे हैं। वहां जाने के लिए हेलीकॉप्टर की जरूरत है। उप्रेती ने

पर्याप्त बजट उपलब्ध नहीं होने का संकेत दिया। हालांकि, उनका कहना है कि जरूरी सूचनाएं चीन की ओर से लगातार उपलब्ध कराई जा रही हैं। उन्होंने कहा, चीन वहां पहुंच चुका है। वहां की स्थिति और सैटेलाइट से जुड़ी जानकारी चीन हमें लगातार उपलब्ध करा रहा है। हम हार्ड-रिजॉल्यूशन डेटा मॉंगाकर उदका अध्ययन कर रहे हैं। तकनीकी ने काफी मदद की है। जरूरी की है कि हमें खुद वहां जाना ही पड़े। इस तरह नेपाली भूभाग में हुई आपदा के महत्वपूर्ण डेटा के लिए नेपाल को चीन पर निर्भर रहना पड़ रहा है। उप्रेती ने बताया कि जलवायु और मौसम संबंधी सूचनाओं के आदान-प्रदान को लेकर नेपाल और चीन के बीच हाल ही में एक

गोपाल, शनिवार 03 अक्टूबर 2026

www.rashtriyagarima.com

06

सक्षिप्त समाचार

पीएम मोदी के प्रयासों पर पुतिन को भरोसा, बोले- यूक्रेन संकट के समाधान के लिए उनके पास अच्छे विचार

इस्त्रा शहर, (मॉस्को)। रूस के राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन ने यूक्रेन संघर्ष के शांतिपूर्ण समाधान के लिए प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की पहल की सराहना की है। पुतिन ने कहा कि मोदी लगातार संघर्ष को समाप्त करने की जरूरत पर जोर देते हैं और उनके पास ऐसा समाधान तलाशने के लिए बहुत अच्छे विचार हैं, जिसे दोनों पक्ष स्वीकार कर सकें। पुतिन ने यह टिप्पणी वल्लाई डिस्कशन क्लब की 23वीं वार्षिक बैठक के पूर्ण सत्र को संबोधित करते हुए की। उन्होंने कहा कि भारत के प्रधानमंत्री रूस के साथ मैत्रीपूर्ण संबंधों के बावजूद यूक्रेन संघर्ष को समाप्त करने का मुद्दा लगातार उठते रहे हैं। पुतिन ने मोदी की शांतिपूर्ण समाधान की इच्छा के लिए उनका आभार भी व्यक्त किया। पुतिन के अनुसार, मोदी की रुचि संघर्ष को जल्द समाप्त करने और सभी पक्षों के लिए स्वीकार्य समाधान तलाशने में है। उन्होंने भारत की स्थिति को तटस्थ बताते हुए कहा कि नई दिल्ली संघर्ष के अंत में वास्तविक रुचि रखती है। अपने संबोधन में पुतिन ने मौजूदा वैश्विक व्यवस्था में हो रहे व्यापक बदलावों पर भी विस्तार से चर्चा की। उन्होंने कहा कि दुनिया राजनीति, अर्थव्यवस्था, तकनीक, ऊर्जा, जलवायु, चिकित्सा और कुत्रिम बुद्धिमता सहित कई क्षेत्रों में बड़े बदलावों के दौर से गुजर रही है। उनके मुताबिक, इन बदलावों के साथ नए अवसरों के साथ-साथ गंभीर जोखिम भी पैदा हो रहे हैं। रूसी राष्ट्रपति ने अंतरराष्ट्रीय संस्थाओं और मौजूदा वैश्विक शासन व्यवस्था में सुधार की जरूरत पर भी जोर दिया। उन्होंने कहा कि संयुक्त राष्ट्र सहित अंतरराष्ट्रीय संस्थाओं को दुनिया की मौजूदा वास्तविकताओं और विभिन्न क्षेत्रों के बढ़ते प्रभाव को बेहतर ढंग से प्रतिबिंबित करना चाहिए। पुतिन ने बहुध्रुवीय विश्व व्यवस्था के उभरने का भी उल्लेख किया और कहा कि भविष्य की अंतरराष्ट्रीय व्यवस्था में एशिया, अफ्रीका, लैटिन अमेरिका और मध्य पूर्व की भूमिका अधिक महत्वपूर्ण होगी। उन्होंने कहा कि इस बदलाव की प्रक्रिया लंबी और जटिल होगी तथा इसमें कई अनिश्चितताएं बनी रहेंगी।

नेपाल में 10 हजार सरकारी कर्मचारियों की छंटनी के लिए संसद में विधेयक

काठमांडू। नेपाल में लंबे समय से प्रतीक्षित ‘संघीय निजामती सेवा विधेयक’ संसद में दर्ज कर दिया गया है। इस विधेयक के लागू होने पर 10 हजार से अधिक सरकारी कर्मचारियों के सेवानिवृत्त होने की संभावना है। नेपाल में सरकारी कर्मचारियों की अनिवार्य सेवानिवृत्ति की उम्र 58 वर्ष है। संघीय मामलों तथा सामान्य प्रशासन मंत्री प्रतीभा रावल ने विधेयक को संसद सचिवालय में दर्ज कराया। विधेयक दर्ज कराने के बाद उन्होंने कहा कि इससे निजामती सेवा को अधिक सक्षम, दक्ष, जवाबदेह और परिणाममुखी बनाने के साथ सार्वजनिक प्रशासन में सुधार तथा सुशासन की नींव मजबूत करने में मदद मिलेगी। विधेयक में सरकारी कर्मचारियों की अनिवार्य सेवानिवृत्ति की उम्र 60 वर्ष निर्धारित करने का प्रस्ताव है। हालांकि, कानून लागू होने के समय जिन कर्मचारियों की उम्र 55 वर्ष पूरी हो चुकी होगी या जिनकी सेवा अवधि 30 वर्ष पूरी हो चुकी होगी, उन्हें अनिवार्य रूप से सेवानिवृत्त करने का प्रावधान किया गया है। विधेयक के दफा 57 में कहा गया है कि सरकारी कर्मचारी 60 वर्ष की उम्र पूरी होने के बाद अनिवार्य सेवानिवृत्त होगा। लेकिन कानून लागू होते समय 55 वर्ष की उम्र पूरी कर चुके या 30 वर्ष की सेवा पूरी कर चुके कर्मचारियों को भी अनिवार्य सेवानिवृत्ति दी जाएगी। राजपत्रांकित विशिष्ट श्रेणी के कर्मचारियों यानी सचिव और मुख्य सचिव के मामले में पदावधि और उम्र में से जो पहले पूरा होगा, उसी आधार पर अनिवार्य सेवानिवृत्ति का प्रावधान किया गया है। विधेयक में 55 वर्ष की उम्र पूरी होने पर सेवानिवृत्त होने वाले कर्मचारियों के लिए पेंशन से जुड़ा विशेष प्रावधान भी किया गया है। मौजूदा कानून के तहत बची सेवा अवधि में से अधिकतम तीन वर्ष तक की अवधि पेंशन के लिए जोड़ी जा सकेगी।

उत्तरी वजीरिस्तान में पाकिस्तानी सुरक्षा बलों का ऑपरेशन, सात आतंकवादी मारे गए

इस्लामाबाद। पाकिस्तान के खैबर पख्तूनख्वा प्रांत के उत्तर वजीरिस्तान जिले में सुरक्षा बलों ने खुफिया जानकारी के आधार पर कार्रवाई करते हुए सात आतंकवादियों को मार गिराने का दावा किया है। यह ऑपरेशन इडक इलाके में चलाया गया। कार्रवाई के दौरान आतंकवादियों के ठिकानों को भी निशाना बनाया गया। पाकिस्तान की उर्दू टेलीविजन चैनल दुनिया न्यूज़ ने सुरक्षा सूर्त्रों के हवाले से बताया कि सुरक्षा बलों को इलाके में आतंकवादियों की मौजूदगी और गतिविधियों की जानकारी मिली थी। इसके बाद बलों ने उनका पीछा करते हुए लक्षित अभियान चलाया। सूर्त्रों ने दावा किया कि अभियान के दौरान आतंकवादियों के कई ठिकाने नष्ट कर दिए गए। बताया गया है कि यह कार्रवाई पाकिस्तान के आतंकवाद विरोधी अभियान अजम-ए-इस्तेहकाम के तहत की गई। पाकिस्तान के अनुसार, इस अभियान का उद्देश्य आतंकवादी नेटवर्क और उनके ठिकानों के खिलाफ कार्रवाई करना है। इससे पहले भी उत्तर वजीरिस्तान में ऐसे खुफिया-आधारित अभियानों में आतंकवादियों के मारे जाने और हथियार एवं विस्फोटक बरामद होने की खबरें सामने आई हैं। पाकिस्तान के गृह मंत्री मोहसिन नक्वी ने इडक में अभियान को सफल बताते हुए सुरक्षा बलों की सराहना की। उन्होंने जवानों की पेशेवर क्षमता को प्रशंसा करते हुए कहा कि सुरक्षा बलों को कार्रवाई से आतंकवादी गतिविधियों और उनकी कथित साजिशों को रोकने में मदद मिली है। पाकिस्तानी अधिकारियों ने कहा है कि आतंकवाद के खिलाफ अभियान जारी रहेगा। हालांकि, मारे गए आतंकवादियों की पहचान और उनसे जुड़े संगठन के बारे में स्वतंत्र पुष्टि तत्काल उपलब्ध नहीं है।

बलूचिस्तान के कच्छी और केच जिले में बढ़ी पाकिस्तानी सेना की गतिविधियां

क्रेटा। बलूचिस्तान के कच्छी और केच जिलों में पाकिस्तानी सेना की गतिविधियां बढ़ने की खबरें सामने आई हैं। स्थानीय सूर्त्रों के अनुसार, कच्छी जिले में लगातार दूसरे दिन भी सैन्य अभियान जारी है, जबकि केच जिले के टुम्प इलाके के पहाड़ी क्षेत्रों में सैनिकों की आवाजही बढ़ी है। बलूचिस्तान की ऑनलाइन समाचार नेटवर्क द बलूचिस्तान पोस्ट ने स्थानीय सूर्त्रों के हवाले से बताया कि पाकिस्तानी सेना कच्छी, धादर और आसपास के क्षेत्रों में अभियान चला रही है। इस दौरान गरनिशन हेलीकॉप्टर और ड्रोन के इस्तेमाल तथा कुछ इलाकों में गोलीबारी की आवाजें सुने जाने का दावा किया गया है। हालांकि, अधिकारियों की ओर से अभियान की प्रकृति या किसी के हताहत होने को लेकर आधिकारिक जानकारी नहीं दी गई है। सूर्त्रों ने दावा किया कि इससे एक दिन पहले कच्छी जिले के कुछ हिस्सों में पाकिस्तानी सेना और हथियारबंद लोगों के बीच झड़प हुई थी। हालांकि, इस दावे की स्वतंत्र पुष्टि नहीं हुई है। इसी बीच, केच जिले के टुम्प क्षेत्र के गोमाजी, डोंजग, मार और फिर गांवों के आसपास भी सैन्य गतिविधियां बढ़ने की सूचना है। स्थानीय लोगों के अनुसार, इलाके में सैनिकों के साथ बख्तरबंद वाहनों और ट्रैकों की आवाजही बढ़ी है। गोमाजी के आसपास के पहाड़ी क्षेत्रों में भी सेना की मौजूदगी बढ़ने का दावा किया गया है। स्थानीय सूर्त्रों के मुताबिक, मजान बंड पर्वत श्रृंखला के ऊपर सैन्य हेलीकॉप्टरों की उड़ान और गश्त देखी गई है। इसके अलावा क्षेत्र में ड्रोन गतिविधियां जारी रहने की बात कही जा रही है। स्थानीय लोगों ने बढ़ती सैन्य मौजूदगी और हवाई निगरानी को लेकर चिंता जताई है। हालांकि, टुम्प इलाके में अब तक किसी के हताहत होने या हथियारबंद झड़प को आधिकारिक सूचना सामने नहीं आई है। दूसरी ओर पाकिस्तानी सैन्य अधिकारियों ने टुम्प में बताई जा रही गतिविधियों पर फिलहाल कोई आधिकारिक बयान जारी नहीं किया है।



एशियन खेल : सेपकटकरों में भारत को कांस्य, सेमीफाइनल में जापान से मिली हार



नागोया। भारतीय पुरुष क्राइंट टीम ने एशियाई खेलों में सेपकटकरों का कांस्य पदक अपने नाम किया। भारत को शुक्रवार को नागोया सिटी मिजुहो पार्क जिम्मेजिम में खेले गए सेमीफाइनल में जापान के खिलाफ 0-2 से हार का सामना करना पड़ा। सेमीफाइनल में पहुंचने के साथ ही भारतीय टीम का कांस्य पदक सुनिश्चित हो गया था। भारतीय क्राइंट में मालेमंगनबा सिंह सोरोखैबम, राम कुमार शर्मा, बाँबी कुमार और आकाशा युमनाम शामिल थे, जबकि लोखोन सिंह एलांगबम और टेकोंग अरण स्थानापन्न खिलाड़ी थे। जापान की टीम में युकी सातो, रयोता हारुहारा, वातर नारावा

और योता इचिकावा शामिल थे। मुकाबला बेहद करीबी रहा। जापान ने पहला गेम 15-12 से अपने नाम किया। दूसरे गेम में भी भारत ने कड़ी चुनौती दी, लेकिन जापानी टीम ने 15-13 से जीत दर्ज कर फाइनल में जगह बना ली। यह एशियाई खेलों में भारत का सेपकटकरों में तीसरा पदक है। भारत ने इससे पहले 2018 जकार्ता एशियाई खेलों में पुरुष टीम रेगु स्पर्धा में कांस्य पदक जीता था। इसके बाद 2023 हांगझौउ एशियाई खेलों में भारतीय महिला टीम रेगु ने कांस्य पदक हासिल किया था। भारतीय पुरुष क्राइंट टीम ने रूफ चरण में शानदार प्रदर्शन किया और रूफ ए में शीर्ष स्थान हासिल किया। भारत ने

अपने तीनों मुकाबले जीते। भारतीय टीम ने रूफ चरण में विश्व कप चैंपियन म्यांमार को हराकर बड़ा उलटफेर किया था। इसके अलावा उसने वियतनाम और लाओस को भी मात देकर सेमीफाइनल में जगह बनाई थी। महिला क्राइंट टीम का अभियान रूफ चरण में ही समाप्त हो गया। भारत रूफ ए में तीनों मुकाबले हारकर चौथे स्थान पर रहा। महिला डबल्स में भी भारत रूफ बी में चौथे स्थान पर रहा और अपने तीनों मुकाबलों में एक भी गेम नहीं जीत सका। पुरुष रेगु टीम भी नॉकआउट चरण में जगह नहीं बना सकी और एक जीत तथा दो हार के साथ रूफ बी में तीसरे स्थान पर रही। भारत ने शुक्रवार को एशियाई खेलों में छह और पदक जीते, जिससे भारतीय दल के कुल पदकों की संख्या 72 हो गई। मुक़ेबाजी में लवलीना बोर्गोहेन ने महिलाओं के 75 किग्रा वर्ग में चीन की बाओ ज़ौई को हराकर स्वर्ण पदक जीता। तीरंदाजी में अंकिता भक्त, कीर्ति और कुमकुम मोहद की महिला रिकर्व टीम ने 10 बार की चैंपियन दक्षिण कोरिया को हराकर ऐतिहासिक स्वर्ण पदक जीता। कुमकुम मोहद और धीरज बोम्मदेवरा ने मिश्रित रिकर्व टीम में रजत पदक हासिल किया, जबकि धीरज, नीरज चौहान और यशदीप भोगे की पुरुष रिकर्व टीम ने भी रजत पदक जीता। नौकायन में नेत्रा कुमानन ने महिला डिंगी स्पर्धा में कांस्य पदक अपने नाम किया।

एशियन खेल : महिला 50 किग्रा फीस्टाइल कुश्ती में दीपांशी कांस्य पदक से चूकीं

आइची-नागोया। भारत की दीपांशी को एशियाई खेलों की महिला 50 किग्रा फ्रीस्टाइल कुश्ती के कांस्य पदक मुकाबले में कजाकिस्तान की जेनेप बायानोवा के खिलाफ 4-11 से हार का सामना करना पड़ा। इस हार के साथ दीपांशी का एशियाई खेलों का अभियान कांस्य पदक के बिना समाप्त हो गया। मुकाबले की शुरुआत दोनों पहलवानों ने संभलकर की। इसके बाद दीपांशी ने बायानोवा को मैट पर गिराकर 2 अंक हासिल किए। कजाकिस्तान की पहलवान ने तुरंत पलटवार करते हुए भारतीय पहलवान को पेट के बल गिराया और 2 अंक हासिल कर लिए। इसके बाद दीपांशी को अधिक समय तक मैट पर नीचे रहने के कारण पीला कार्ड दिखाया गया। इसका फायदा उठाते हुए बायानोवा ने दीपांशी को पलटकर 2 और अंक हासिल किए और अपनी बढ़त बढ़ा ली। इसी दौरान दीपांशी को चिकित्सकीय सहायता भी लेनी पड़ी, जिसके बाद मुकाबला दोबारा शुरू हुआ।

बायानोवा ने दीपांशी को मैट से बाहर धकेलकर 1 और अंक हासिल किया। दीपांशी ने इसके बाद 2 अंकों की चाल चलकर अंतर को 4-7 तक कम किया और वापसी की कोशिश की। हालांकि बायानोवा ने 4 अंकों की निर्णायक चाल के साथ स्कोर 11-4 कर दिया और कांस्य पदक अपने नाम कर लिया। इससे पहले भारत के सुजीत कलकल ने ताजिकिस्तान के अब्दुलमजीद कुडि़एव को हराकर स्वर्ण पदक जीता। सुजीत एक समय मुकाबले में 2-9 से पीछे थे, लेकिन अंतिम 1 मिनट 40 सेकंड में लगातार टेकडाउन के जरिए शानदार वापसी करते हुए जीत दर्ज की। उन्होंने मुकाबला समाप्त होने से 11 सेकंड पहले स्वर्ण पदक सुनिश्चित किया। सुजीत का स्वर्ण 2018 जकार्ता-पालेमबांग एशियाई खेलों के बाद कुश्ती में भारत का पहला पुरुष स्वर्ण पदक है। 2018 में बज्रंग पुनिया और विनेश फोगाट ने भारत के लिए कुश्ती में स्वर्ण पदक जीते थे।



म्यूनिख में यूईएफए फुटबॉल की नेशनल लीग में खेलते हुए जर्मनी और सर्बिया के खिलाड़ी।

व्यापार समाचार

संसिति समाचार

बिहार के मखाने की विदेशों में बढ़ी मांग, एक मी. टन की पहली खेप ग्रीस रवाना

नई दिल्ली। बिहार के मखाने की पहचान अब सिर्फ देश के बाजार तक सीमित नहीं है, बल्कि विदेशों में भी इसकी मांग बढ़ती जा रही है। बिहार के पूर्णिया से एक मीट्रिक टन (एमटी) फूला हुआ मखाना ग्रीस के लिए रवाना किया गया है। कृषि एवं प्रसंस्कृत खाद्य उत्पाद निर्यात विकास प्राधिकरण (एपीडा) की मदद से भेजी गई ये खेप बिहार के मखाना उत्पादकों को अंतरराष्ट्रीय बाजार से जोड़ने की दिशा में एक अहम कदम है। इस निर्यात से मखाना उत्पादकों को घरेलू बाजार के मुकाबले बेहतर मूल्य मिला है। इंडो ग्लोबल एक्सपोर्ट, बेलौरी, पूर्णिया से मंगवाई गई यह खेप को एसएस एफ़्ड्स एक्सपोर्ट्स प्राइवेट लिमिटेड, नई दिल्ली के जरिए ग्रीस भेजी जा रही है। यह खेप भारत के मुंद्रा पोर्ट से ग्रीस के पिराएउस पोर्ट तक जाएगी। मखाना उत्पादन में भारत दुनिया में अग्रणी है और देश के कुल उत्पादन में बिहार की हिस्सेदारी लगभग 80-85 फीसदी है। बिहार के 10 जिलों के 35 हजार हेक्टेयर से अधिक इलाके में मखाने की खेती होती है। भारत ने वित्त वर्ष 2025-26 के दौरान 20 से अधिक अंतरराष्ट्रीय स्थलों पर 7000 एमटी से अधिक मखाना एवं उससे बने उत्पादों का निर्यात किया, जिनकी कीमत 22 मिलियन अमेरिकी डॉलर थी। वाणिज्य मंत्रालय के मुताबिक मखाने की इस खेप को रवाना करने के कार्यक्रम की अध्यक्षता बिहार सरकार के कृषि मंत्री विजय कुमार सिन्हा ने की। इस अवसर पर एपीडा के चेयरमैन अभिषेक देव, राज्य सरकार के कृषि विभाग के बागवानी निदेशक अभिषेक कुमार, बिहार सरकार के वरिष्ठ अधिकारी और मखाना निर्यात मूल्य श्रृंखला से जुड़े अन्य हितधारक भी मौजूद थे।

सरकार ने निर्यातकों के लिए रिलीफ स्कीम की अवधि 31 मार्च, 2027 तक बढ़ाई

नई दिल्ली। केंद्र सरकार ने पश्चिम एशिया में लॉजिस्टिक्स संबंधी व्यवधानों के बीच निर्यातकों को राहत देते हुए निर्यातित उत्पादों पर शुल्क और करों की छूट (आरओडीटीईपी) स्कीम के बाद व्यापारियों को सहायता पहुंचाने के लिए रिलीफ (रेजीलिएंस एंड लॉजिस्टिक्स इंटरवेंशन फॉर एक्सपोर्ट फेसिलिटेशन) पहल की परिचालन अवधि को बढ़ा दिया है। वाणिज्य एवं उद्योग मंत्रालय ने शुक्रवार को जारी बयान में बताया कि वाणिज्य विभाग ने 30 सितंबर, 2026 की अधिसूचना संख्या 37/2026-27 के जरिए रिलीफ-रेजीलिएंस एंड लॉजिस्टिक्स इंटरवेंशन फॉर एक्सपोर्ट फेसिलिटेशन के घटक-II के तहत निर्धारित समय-सीमा को 31 मार्च, 2027 तक के लिए बढ़ा दिया है। रिलीफ, निर्यात संवर्धन मिशन (ईपीएम) के तहत एक समयबद्ध पहल है। मंत्रालय के मुताबिक रिलीफ योजना का घटक-II निर्यातकों को निरिंट्रि क्षेत्रों के लिए आगामी शिपमेंट हेतु ईसीजीसी कवर प्राप्त करने के लिए प्रोत्साहित करता है, जिसमें 95 फीसदी जोखिम कवरेज प्रदान किया जाता है। अधिसूचना के मुताबिक यह घटक 16 मार्च, 2026 या उसके बाद प्राप्त की गई स्टैंडअलोन पॉलिसियों या संपूर्ण टर्नओवर पॉलिसियों के लिए उपलब्ध है। वाणिज्य मंत्रालय ने बताया कि इस लाभ के तहत कवर किए जाने वाले कार्यों के प्रकारों में फुल कंटेनर लोड (एफसीएल), लेस दैन कंटेनर लोड (एलसीएल) और रीफर कंटेनर शामिल हैं (ऊर्जा शिपमेंट को छोड़कर)। इसके अतिरिक्त, रिलीफ का यह घटक सुनिश्चित करता है कि पात्र अवधि के लिए निर्यातकों द्वारा भुगतान किए जाने वाले प्रीमियम में व्यवधान से पहले के स्तर की तुलना में वृद्धि नहीं की जाएगी। उल्लेखनीय है कि रिलीफ को 19 मार्च, 2026 को एक लक्षित पहल के रूप में शुरू किया गया था, जिसका उद्देश्य खाड़ी और व्यापक रूफ़म एशिया समुद्री गलियारों में व्यवधानों के कारण असाधारण रूप से बढ़ी माल ढुलाई लागत, बढ़े हुए बीमा प्रीमियम और युद्ध-संबंधी निर्यात जोखिमों से प्रभावित भारतीय निर्यातकों को सहायता प्रदान करना था।

नई दिल्ली। गांधी जयंती के मौके पर शुक्रवार को सर्राफा बाजार में शुरुआती कारोबार के दौरान गिरावट का रुख नजर आ रहा है। भाव में आए बदलाव के कारण देश के ज्यादातर सर्राफा बाजार में सोना 320 से 350 रुपये प्रति 10 ग्राम तक सस्ता हो गया है। चांदी के भाव में भी आज 12,900 रुपये प्रति किलोग्राम की बड़ी गिरावट दर्ज की गई है। कीमत में आई मंदी के कारण देश के ज्यादातर सर्राफा बाजार में 24 कैरेट सोना आज 1,49,230 रुपये से लेकर 1,49,380 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर कारोबार कर रहा है। इसी तरह 22 कैरेट सोना प्रति 10 ग्राम आज 1,36,790 से 1,36,940 रुपये के बीच बिक रहा है। चांदी के भाव में भी गिरावट आने के कारण ये चमकीली धातु दिल्ली सर्राफा बाजार में आज 2,27,000

गांधी जयंती के मौके पर आज स्टॉक और क्मोडिटी एक्सचेंज में छुट्टी, 5 अक्टूबर को शुरू होगा सामान्य कारोबार

नई दिल्ली। गांधी जयंती के मौके पर घरेलू शेयर बाजार में आज छुट्टी है। आज गांधी जयंती की छुट्टी के बाद शनिवार और उसके अगले दिन रविवार को बोम्बे स्टॉक एक्सचेंज (बीएसई) और नेशनल स्टॉक एक्सचेंज (एनएसई) में साप्ताहिक अवकाश रहेगा। इसीलिए अब शेयर बाजार तीन दिन बाद 5 अक्टूबर को खुलेगा और तभी सामान्य कारोबार की शुरुआत होगी। बीएसई और एनएसई की तरह ही मल्टी क्मोडिटी एक्सचेंज (एमसीएक्स) में भी आज गांधी जयंती के मौके पर कंस्लीट छुट्टी है। मतलब आज क्मोडिटी एक्सचेंज में दित और शाम दोनों सत्र में कोई कारोबार नहीं होने वाला है। इस छुट्टी की वजह से स्टॉक एक्सचेंज की तरह ही क्मोडिटी एक्सचेंज में भी लगातार तीन दिन की छुट्टी रहेगी। इसके बाद क्मोडिटी एक्सचेंज में भी 5 अक्टूबर से सामान्य कारोबार शुरू हो जाएगा। स्टॉक एक्सचेंज द्वारा

उपलब्ध कराई गई जानकारी के अनुसार गांधी जयंती की छुट्टी होने के कारण बीएसई में इंडिटी सेगमेंट, इंडिटी डेरिवेटिव सेगमेंट, करंसी डेरिवेटिव्स सेगमेंट्स, न्यू डेट सेगमेंट- रिपोरटिंग, सेटलमेंट एंड ट्रेडिंग प्लेटफॉर्म (एनडीएस-आरएसए), ट्राई पार्टी रेपो सभी के लिए ट्रेडिंग हॉलिडे रहेगा। इसके अलावा इलेक्ट्रॉनिक गोल्ड रिसीएस (ईजीआर), क्मोडिटी डेरिवेटिव्स सेगमेंट में भी दिन के दोनों सत्रों में कारोबार नहीं होगा। इसी तरह एनएसई में भी गांधी जयंती की छुट्टी होने के कारण इंडिटीज, इंडिटी डेरिवेटिव्स, कॉरपोरेट बॉन्ड्स, न्यू डेट सेगमेंट्स, निगोशिएटेड ट्रेड रिपोर्टिंग प्लेटफॉर्म, म्यूचुअल फंड्स, सिक्योरिटी लेंडिंग एंड बॉरोइंग स्कीम्स, करंसी डेरिवेटिव्स, क्मोडिटी डेरिवेटिव्स और इंस्ट्रेट 30 डेरिवेटिव्स सभी सेगमेंट्स में छुट्टी रहेगी।



मुंबई के गिरगांव चौपाटी पर इंडियन कोस्ट गार्ड के जहाज़ के पास नेशनल सिक्योरिटी गार्ड के जवान सागर कवच तटीय सुरक्षा अभियान में हिस्सा ले रहे हैं।

एशियन खेल 2026 : भारतीय पुरुष रिकर्व टीम ने जीता रजत

दक्षिण कोरिया ने बरकरार रखा स्वर्ण

आइची-नागोया,। भारतीय पुरुष रिकर्व टीम ने एशियाई खेलों में शुक्रवार को रजत पदक अपने नाम किया। नीरज चौहान, यशदीप भोगे और धीरज बोम्मदेवरा की भारतीय तिकड़ी को फाइनल में स्टार खिलाड़ियों से सजी दक्षिण कोरियाई टीम के खिलाफ 1-5 से हार का सामना करना पड़ा। दक्षिण कोरिया ने लगातार दूसरी बार इस स्पर्धा का स्वर्ण पदक जीत लिया। फाइनल में दक्षिण कोरिया की ओर से किम जे देओक, किम वूजिन और ली वू सेक ने चुनौती पेश की। पहले सेट में दक्षिण कोरिया ने पहले निशाना साधा। ली ने 8, किम जे देओक ने 10 और किम वूजिन ने 9 अंक हासिल किए। भारत के नीरज ने 9, यशदीप ने 10 और धीरज ने 10 अंक हासिल किए। इसके बाद दक्षिण कोरिया ने 10, 9 और 10 अंक हासिल किए, जबकि भारत की ओर से नीरज ने 10, यशदीप ने 8 और धीरज ने 9 अंक बनाए। दोनों टीमों का स्कोर 56-56 रहा और पहला सेट बराबरी पर छूटा। मुकाबले का स्कोर 1-1 हो गया।

एशियन खेल 2026 : परवीन हुड्डा ने 65 किलोग्राम मुक़ेबाजी स्पर्धा में जीता स्वर्ण

नागोया। भारत की परवीन हुड्डा ने शुक्रवार को एशियाई खेल 2026 की महिला 65 किलोग्राम मुक़ेबाजी स्पर्धा के फाइनल में चीनी ताइपे की चेन निएन-चिन को 3-2 के विभाजित फैसले से हराकर स्वर्ण पदक जीता। इसके साथ ही परवीन एशियाई खेलों में स्वर्ण पदक जीतने वाली भारत की तीसरी महिला मुक़ेबाज बन गईं। उनसे पहले मैरी कॉम ने 2014 और लवलीना बोर्गोहेन ने इसी टूर्नामेंट में आज 75 किग्रा वर्ग में यह उपलब्धि हासिल की थी। फाइनल मुकाबला बेहद कड़ा रहा। दोनों मुक़ेबाजों ने पहले राउंड में संभलकर शुरुआत की और शुरुआती क्षणों में आक्रामक होने से बचती रहीं। रेफरी की चेतावनी के बाद परवीन ने निर्णायक प्रहार करते हुए पांचों जजों से 10-9 का स्कोर हासिल किया। पेरिस ओलंपिक की कांस्य पदक विजेता चेन निएन-चिन ने दूसरे राउंड में जोरदार वापसी की। आक्रामक अंदाज में खेलते हुए उन्होंने सभी पांचों जजों से 10-9 का स्कोर हासिल कर मुकाबला बराबरी पर ला दिया। निर्णायक तीसरे राउंड में परवीन ने दबाव के बीच संयम बनाए रखा और 3-2 के विभाजित फैसले से मुकाबला अपने नाम कर लिया। यह 2026 एशियाई खेलों में महिला 65 किलोग्राम मुक़ेबाजी की नई भार श्रेणी है। परवीन ने इस वर्ग के पहले एशियाई खेल स्वर्ण पर अपना नाम दर्ज कराया। रोहतक की परवीन का जन्म 15 अप्रैल 2000 को हुआ। वह रोहतक स्थित राष्ट्रीय उत्कृष्टता केंद्र में प्रशिक्षण लेती हैं और टॉपस विकास कार्यक्रम से जुड़ी हैं। उन्होंने 2022 विश्व मुक़ेबाजी चैंपियनशिप में कांस्य और उसी वर्ष एशियाई मुक़ेबाजी चैंपियनशिप में स्वर्ण पदक जीता था। 2025 विश्व मुक़ेबाजी कप फाइनल में भी उन्होंने स्वर्ण पदक हासिल किया।

एशियन खेल 2026 : भारतीय मुक़ेबाज अंकुश ने 80 किग्रा वर्ग में जीता स्वर्ण

आइची-नागोया। भारत के अंकुश पंचाल ने 2026 एशियाई खेलों में पुरुषों के 80 किग्रा मुक़ेबाजी वर्ग का स्वर्ण पदक जीत लिया। फाइनल में अंकुश ने दक्षिण कोरिया के किम मिनसियोंग को 4-0 के विभाजित फैसले से हराया। इसके साथ ही भारत ने एशियाई खेलों में अपनी मुक़ेबाजी प्रतियोगिता 3 स्वर्ण और 3 कांस्य समेत कुल 6 पदकों के साथ समाप्त की। अंकुश ने मुकाबले की शुरुआत से ही आक्रामक रुख अपनाया। उन्होंने शुरुआती दौर में राइट हुक और अपरकट के जरिए किम पर दबाव बनाया। दक्षिण कोरियाई मुक़ेबाज दूरी बनाए रखने और काउंटर अटैक की कोशिश करता रहा, लेकिन अंकुश के लगातार प्रहारों के सामने वह ज्यादा प्रभावी नहीं दिखा। पहले राउंड में अंकुश ने 4-1 से बहुत हासिल की। दूसरे राउंड में अंकुश ने तेज 1-2 पंच और काउंटर अटैक के जरिए अपना रबदबा बनाए रखा। दोनों मुक़ेबाजों ने बॉडी शॉट लगाए लेकिन अंकुश की गति और आक्रामकता ने उन्हें बढ़त में रखा। उन्होंने दूसरा राउंड 5-0 से अपने नाम किया। अंतिम राउंड में किम ने वापसी की कोशिश की और कुछ अच्छे पंच लगाए लेकिन अंकुश ने अपनी बहुत बरकरार रखी। चार जजों ने अंतिम स्कोर में अंकुश के पक्ष में 30-26 का फैसला दिया और भारतीय मुक़ेबाज ने 4-0 से मुकाबला जीतकर स्वर्ण पदक अपने नाम कर लिया। इस जीत के साथ अंकुश एशियाई खेलों में पुरुष मुक़ेबाजी में स्वर्ण पदक जीतने वाले भारत के पहले पुरुष मुक़ेबाज बने, जिन्होंने 2018 के बाद यह उपलब्धि हासिल की। इससे पहले अमित पंचाल ने 2018 एशियाई खेलों में स्वर्ण पदक जीता था। अंकुश की जीत के साथ भारत की 2026 एशियाई खेलों की मुक़ेबाजी मुहिम 3 स्वर्ण और 3 कांस्य पदकों के साथ समाप्त हुई। स्वर्ण पदकों की संख्या के लिहाज से यह भारत का एशियाई खेलों में मुक़ेबाजी का सबसे सफल अभियान रहा। 2022 के एशियाई खेलों में भारत ने कुल 4 पदक जीते थे, जिसमें 1 रजत और 3 कांस्य शामिल थे। भारत ने 2026 एशियाई खेलों में अब तक कुल 75 पदक जीते हैं, जिनमें 15 स्वर्ण, 25 रजत और 35 कांस्य पदक शामिल हैं।

गांधी जयंती के दिन सस्ता हुआ सोना, चांदी में भी बड़ी गिरावट



रुपये प्रति किलोग्राम के स्तर पर बिक रही है। दिल्ली में 24 कैरेट सोना 1,49,380 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर कारोबार कर रहा है, जबकि 22 कैरेट सोने की कीमत

1,36,940 रुपये प्रति 10 ग्राम दर्ज की गई। वहीं, देश की आर्थिक राजधानी मुंबई में 24 कैरेट सोना 1,49,230 रुपये प्रति 10 ग्राम और 22 कैरेट सोना 1,36,790 रुपये प्रति

10 ग्राम के स्तर पर बिक रहा है। इसी तरह अहमदाबाद में 24 कैरेट सोने की रिटेल कीमत 1,49,280 रुपये प्रति 10 ग्राम और 22 कैरेट सोने की कीमत 1,36,840 रुपये प्रति 10 ग्राम दर्ज की गई है। इसके अलावा चेन्नई में 24 कैरेट सोना 1,49,230 रुपये और 22 कैरेट सोना 1,36,790 रुपये प्रति 10 ग्राम की कीमत पर बिक रहा है। कोलकाता में 24 कैरेट सोना 1,49,230 रुपये और 22 कैरेट सोना 1,36,790 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर कारोबार कर रहा है। भोपाल में 24 कैरेट सोने की कीमत 1,49,280 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर है, जबकि 22 कैरेट सोना 1,36,840 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर बिक रहा है। जयपुर में 24 कैरेट सोना 1,49,380 रुपये और 22 कैरेट सोना 1,36,940 रुपये प्रति

10 ग्राम के स्तर पर बिक रहा है। पटना में 24 कैरेट सोने की कीमत 1,49,280 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर है, जबकि 22 कैरेट सोना 1,36,840 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर बिक रहा है। लखनऊ के सर्राफा बाजार में 24 कैरेट सोना आज 1,49,380 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर और 22 कैरेट सोना 1,36,940 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर बिक रहा है। देश के अन्य राज्यों की तरह कर्नाटक, तेलंगाना और ओडिशा के सर्राफा बाजार में भी आज सोने के भाव में बढ़त देखी जा रही है। इन तीनों राज्यों की राजधानियों बेंगलुरु, हैदराबाद और भुवनेश्वर में 24 कैरेट सोना 1,49,230 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर कारोबार कर रहा है।

हरियाणा से कनाडा फ़ोजन फूड उत्पादों का किया गया निर्यात

नई दिल्ली। हरियाणा के सोनीपत से 24 मीट्रिक टन फ़ोजन फूड उत्पादों की खेप किसान उत्पादक संगठन (एफपीओ) ने कनाडा भेजी है। कृषि और 31 प्रसंस्कृत खाद्य उत्पाद निर्यात विकास प्राधिकरण (एपीडा) ने इसमें मदद की है। 'अटेंटा फ़ूड्स' प्रोड्यूसर कंपनी लिमिटेड' की ओर से भेजी गई फ़ोजन फूड उत्पादों की खेप में कुल सीएईडी 35,140 मूल्य के फ़ोजन फूड उत्पादों के 2,295 डिब्बे शामिल हैं। इस निर्यात में हरे मटर, मिश्रित सब्जियां, मटर एवं गाजर, स्वीट कॉर्न और समोसा शामिल हैं।

अंतरराष्ट्रीय बाजार में कीमत घटने का दिखा असर, घरेलू सर्राफा बाजार में 13,200 रुपये तक सस्ती हुई चांदी

नई दिल्ली। घरेलू सर्राफा बाजार में हाजिर चांदी ने आज जबरदस्त गोता लगाया है। शुरुआती कारोबार में इस चमकीली धातु की कीमत में 12,700 रुपये प्रति किलोग्राम से लेकर 13,200 रुपये प्रति किलोग्राम की गिरावट दर्ज की गई है। चांदी के भाव में आई इस जोरदार गिरावट के कारण देश के अलग-अलग हिस्सों में चांदी आज 2,26,800 रुपये प्रति किलोग्राम से लेकर 2,32,000 रुपये प्रति किलोग्राम तक के भाव पर बिक रही है। दिल्ली सर्राफा बाजार में चांदी आज 12,900 रुपये प्रति किलोग्राम फिसल गई, जिसके कारण ये चमकीली धातु आज 2,27,000 रुपये प्रति किलोग्राम के स्तर पर कारोबार कर रही है। इसी तरह मुंबई, अहमदाबाद और कोलकाता में चांदी 2,26,800 रुपये के भाव पर कारोबार कर रही है। जबकि जयपुर, सूत और पुणे में चांदी 2,27,100 रुपये प्रति किलोग्राम के स्तर पर बनी हुई है। बेंगलुरु

में चांदी 2,27,300 रुपये के स्तर पर और पटना तथा भुवनेश्वर में 2,26,900 प्रति किलोग्राम के स्तर पर कारोबार कर रही है। इसके अलावा हैदराबाद में चांदी 13,100 रुपये प्रति किलोग्राम की कमजोरी के साथ 2,31,700 रुपये प्रति किलोग्राम के स्तर पर बिक रही है। आज देश में चांदी की सबसे अधिक कीमत चेन्नई में है, जहां ये चमकीली धातु आज 13,200 रुपये प्रति किलोग्राम सस्ती होकर 2,32,000 रुपये प्रति किलोग्राम के स्तर पर आ गई है। मार्केट एक्सपर्ट मयंक मोहन का कहना है कि पश्चिम एशिया में जारी तनाव ने मार्केट के सभी समीकरणों को पनट दिया है। बाजार में अनिश्चितता का माहौल बना हुआ है, जिसकी वजह से सबसे सुरक्षित इनवेस्टमेंट इंस्ट्रुमेंट समझे जाने वाली सोना और चांदी जैसी धातुओं के भाव में भी अंतरराष्ट्रीय बाजार में लगातार उतार चढ़ाव हो रहा है।

गांधी जयंती, उत्त्चादर्शो को जीवन में उतारने का प्रेरणा दिवस : राज्यपाल पटेल

राज्यपाल मंगुभाई पटेल गांधी जयंती पर सर्वधर्म प्रार्थना सभा में ह्दु शामिल

भोपाल। राज्यपाल मंगुभाई पटेल ने कहा कि गांधी जयंती केवल महात्मा गांधी को स्मरण करने का अवसर नहीं, बल्कि उनके उच्चादर्शों को अपने आचरण में उतारने का प्रेरणा दिवस है। उन्होंने कहा कि सर्वधर्म प्रार्थना सभा में गाए जाने वाले भजनों के संदेश का प्रतिदिन चिंतन करें और उन्हें जीवन में उतारने का प्रयास करें। यही महात्मा गांधी की सच्ची श्रद्धांजलि होगी। राज्यपाल की प्रेरणा पर उपस्थित जनों ने जोध नहीं करने का संकल्प भी लिया। राज्यपाल श्री पटेल शुक्रवार को गांधी भवन में आयोजित सर्वधर्म प्रार्थना सभा में शामिल हुए। उन्होंने महात्मा गांधी की प्रतिमा पर सुत की माला और गांधी स्मारक पर पुष्पांजलि अर्पित की। उन्होंने स्मार्ट टीवी का लोकार्पण किया। कार्यक्रम स्थल पर आयोजित प्रदर्शनी का अवलोकन



किया। उन्होंने ‘आओ जानें गांधी को’ प्रतियोगिता के पुरस्कृत छात्र-छात्राओं के साथ समूह चित्र में सहभागिता की। राज्यपाल श्री पटेल ने कहा कि जीवन की सार्थकता अच्छा ईसान बनने और देश-समाज के लिए कार्य करने में है। जीवन में जो अच्छा है, उसे आचरण में उतारने का

निरंतर प्रयास करना चाहिए और बुराई से दूर रहना चाहिए। उन्होंने कहा कि व्यसन और नशे से मुक्त जीवन आगे बढ़ने का महत्वपूर्ण आधार है। उन्होंने नश-मुक्त समाज के निर्माण का आह्वान करते हुए माँ समाज के लिए कार्य करने में है। जीवन में जो अच्छा है, उसे आचरण में उतारने का

संरक्षण के लिए प्रेरित किया। उन्होंने प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी के जन्म दिवस 17 सितम्बर के प्रसंग में 17 अक्टूबर तक संचालित सेवा संकल्प अभियान के अंतर्गत रक्तदान और समाजसेवा के कार्यों में सहभागिता के लिए प्रेरित किया। राज्यपाल ने कहा कि गांधी जयंती और विश्व अहिंसा दिवस पर आयोजित सर्वधर्म प्रार्थना सभा भारत की उस महान परंपरा की कड़ी है, जिसमें सभी धर्मों के प्रति सम्मान और सद्भाव का भाव है। भारत की शक्ति विविधता में एकता में निहित है। उन्होंने पुरस्कृत विद्यार्थियों से कहा कि राष्ट्रपिता गांधी की पढ़ने के साथ उनके विचारों और आदर्शों को जीवन में उतारने का प्रयास करें। उन्होंने कहा कि राष्ट्रपिता गांधी का प्रिय भजन ‘वैष्णव जन तो तेने कहिये’ संत कवि नरसिंह मेहता की रचना है, जिसमें परोपकार, करुणा, सत्य, समानता, विनम्रता और निष्काम सेवा जैसे जीवन-मूल्य समाहित हैं।

पुलिस अकादमी में सूबेदार,उप निरीक्षक बैच के बुनियादी प्रशिक्षण का शुभारंभ



आधुनिक पुलिसिंग के साथ कानून,साइबर अपराध एवं ए.आई. पर रहेगा विशेष फोकस

भोपाल। मध्यप्रदेश पुलिस अकादमी,भोपाल में 92वें सूबेदार/उप निरीक्षक बैच के बुनियादी प्रशिक्षण का शुभारंभ निदेशक/विशेष पुलिस महानिदेशक, पुलिस अकादमी श्री रवि कुमार गुप्ता की अध्यक्षता में हुआ। इस आधारभूत प्रशिक्षण में वर्ष 2025 बैच के चयनित कुल 286 प्रशिक्षु सूबेदार/उप निरीक्षक (182 पुरुष एवं 104 महिला) शामिल हैं। प्रशिक्षण में पारंपरिक पुलिसिंग के आधारभूत ज्ञान के साथ वर्तमान समय की पुलिसिंग आवश्यकताओं को ध्यान में रखते हुए आधुनिक तकनीक,साइबर अपराध अनुसंधान, आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस (ए.आई.),नेतृत्व क्षमता, सामुदायिक पुलिसिंग एवं प्रशासनिक दक्षता जैसे

विषयों को विशेष रूप से शामिल किया गया है। तीन माह के बुनियादी प्रशिक्षण के दौरान प्रशिक्षु अधिकारियों को आंतरिक प्रशिक्षण के अंतर्गत पुलिस संगठन एवं प्रशासनिक व्यवस्था,कानून का प्रारंभिक एवं व्यावहारिक ज्ञान-भारतीय न्याय संहिता,भारतीय नागरिक सुरक्षा संहिता,भारतीय साक्ष्य अधिनियम सहित अन्य महत्वपूर्ण अधिनियम, पुलिस कार्यप्रणाली एवं पुलिस रेग्युलेशन, व्यक्तित्व विकास, मानव व्यवहार,पुलिस में नैतिकता एवं प्रबंध कौशल एवं कम्प्यूटर अवेयरनेस एवं पुलिस कार्यों में कम्प्यूटर का प्रभावी उपयोग विषयों में प्रशिक्षण प्रदान किया जाएगा। प्रशिक्षण के दौरान प्रशिक्षु अधिकारियों में कानून एवं न्यायिक व्यवस्था की समझ, उप निरीक्षक/सूबेदार के अधिकार एवं सीमाओं का ज्ञान, विभिन्न राज्य एवं केंद्रीय एजेंसियों के साथ समन्वय,सामुदायिक पुलिसिंग तथा अपराध अनुसंधान की व्यावहारिक दक्षता विकसित करने का विशेष प्रशिक्षण दिया जाएगा। वर्तमान समय में अपराध के बदलते स्वरूप को देखते हुए प्रशिक्षण में साइबर अपराध अनुसंधान एवं आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस आधारित उपकरणों के उपयोग पर भी विशेष प्रशिक्षण दिया जाएगा।

उपमुख्यमंत्री ने जेपी चिकित्सालय में स्वच्छता अभियान में किया श्रमदान

भोपाल। उप मुख्यमंत्री राजेन्द्र शुक्ल ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के स्वच्छ भारत के संकल्प को जन-जन का आंदोलन बनाने के लिए प्रत्येक नागरिक को अपनी जिम्मेदारी निभानी होगी। उन्होंने कहा कि स्वच्छ अस्पताल, स्वच्छ परिसर और स्वच्छ वातावरण स्वस्थ समाज की आधारशिला हैं। उन्होंने कहा कि महात्मा गांधी के सत्य, अहिंसा और स्वच्छता के संदेश को आत्मसात करते हुए स्वच्छता को अपनी आदत बनाना चाहिए। उप मुख्यमंत्री श्री शुक्ल ने गांधी जयंती के अवसर पर जयप्रकाश जिला चिकित्सालय, भोपाल में आयोजित स्वच्छता अभियान में सहभागिता करते हुए अस्पताल परिसर में साफ-सफाई एवं श्रमदान किया। उन्होंने चिकित्सालय के मातृ एवं शिशु रोग विभाग के सामने आक्सिजन प्लांट के पास स्वच्छता अभियान में श्रमदान किया। उप मुख्यमंत्री श्री शुक्ल ने चिकित्सालय के समस्त स्टॉफ को स्वच्छता बनाए रखने, साफ-सफाई एवं श्रमदान में निरंतर योगदान देने की शपथ दिलाई। उन्होंने लोगों को स्वच्छता के प्रति जागरूक करते हुए सार्वजनिक स्थलों एवं अपने आसपास के वातावरण को स्वच्छ रखने का संकल्प भी दिलाया।

अब दिन के तापमान में बढ़ोतरी के साथ रात में बढ़ेगी हल्की ठंडक

भोपाल। मध्य प्रदेश में मानसून की विदाई का सिलसिला अब शुरू होने वाला है। प्रदेश से दक्षिण-पश्चिम मानसून 10 अक्टूबर तक पूरी तरह विदा हो सकता है। फिलहाल अगले तीन दिन ज्यादातर हिस्सों में तेज धूप रहेगी, जबकि 5 अक्टूबर से पूर्वी मघ्र में हल्की बारिश का दौर शुरू होने की संभावना है। वहीं, दिन के तापमान में बढ़ोतरी के साथ रात में हल्की ठंडक महसूस होगी। मौसम विभाग के अनुसार, प्रदेश में मानसून का निर्धारित सीजन 30 सितंबर को समाप्त हो चुका है, लेकिन अब तक किसी भी जिले से मानसून की आधिकारिक विदाई नहीं हुई है। मौसम विभाग के अनुसार फिलहाल मानसून की वापसी रेखा पंजाब, हरियाणा, दिल्ली और राजस्थान से गुजर रही है। मध्य प्रदेश में यह रेखा ग्वालियर-चंबल और उज्जैन संभाग के ऊपर बनी हुई है। मानसून सबसे पहले ग्वालियर-चंबल और उज्जैन संभाग से वापस लौट सकता है। इसके बाद इंदौर, भोपाल, नर्मदापुरम, सागर, जबलपुर, रीवा और खंडोल संभाग से मानसून की विदाई होगी। इसकी शुरुआत शुक्रवार या शनिवार से होने की संभावना जताई गई है। अगले तीन दिन प्रदेश के अधिकांश हिस्सों में मौसम साफ रहने और धूप तेज रहने का अनुमान है। इसके बाद 5 अक्टूबर को पूर्वी हिस्से के कुछ जिलों में बारिश की गतिविधियां देखने को मिल सकती हैं।

पाटीदार मांगलिक भवन मिसरोद में संगीतमय श्रीमद्भागवत कथा जारी

भोपाल। पाटीदार मांगलिक भवन मिसरोद में चल रही संगीतमय श्रीमद्भागवत कथा के पांचवे दिन श्रीकृष्ण बाल लीला, मटकी फोड़ लीला, गोवर्धन पूजा और छयन भोग की कथा सुनाई गई। कथा वाचक आचार्य अतुल महाराज के मुखरबिंद से भगवान श्रीकृष्ण की बाल लीलाओं का वर्णन सुनकर श्रद्धालु भाव-विभोर हो उठे। गोवर्धन पूजा एवं छयन भोग के अवसर पर भक्तों ने श्रद्धा और उत्साह के साथ भगवान की पूजा-अर्चना की। कथा समापन के बाद महिलाओं ने सुमधुर भजनों की प्रस्तुति दी। कथा सुनने पाटीदार समाज के महिला-पुरुष श्रद्धालुओं सहित क्षेत्र के बड़ी संख्या में रहवासी पहुंचे। आयोजन से जुड़े गोपाल पाटीदार ने बताया कि संगीतमय श्रीमद्भागवत कथा का आयोजन 3 अक्टूबर तक प्रतिदिन किया जा रहा है। कथा का समय दोपहर 12.30 बजे से 3.30 बजे तक रखा गया है। कथा का आयोजन बाबूलाल जागीरदार, रमेशचंद्र जागीरदार, विष्णु प्रसाद जागीरदार, मनोहर जागीरदार सहित पाटीदार परिवार द्वारा किया जा रहा है।

जहरीली शराब और बच्चों की मौतों पर पटवारी ने सरकार से मांगा जवाब

भोपाल। मध्य प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष जीतू पटवारी ने प्रदेश में बच्चों की मौत,आदिवासी क्षेत्रों में स्वास्थ्य एवं पोषण व्यवस्था, संदिग्ध जहरीली शराब और दूषित पेयजल की घटनाओं को लेकर भाजपा सरकार पर सवाल उठाए हैं। उन्होंने कहा कि इन मामलों में जांच के साथ यह भी स्पष्ट होना चाहिए कि जहां लापरवाही या नियमों के उल्लंघन की पुष्टि हो,वहां जिम्मेदारी किसकी तय हुई और प्रभावित परिवारों को क्या राहत मिली। जीतू पटवारी ने शुक्रवार को राजधानी भोपाल स्थित कांग्रेस प्रदेश कार्यालय में मीडिया से बातचीत करते हुए केंद्रीय गृहमंत्री अमित शाह के प्रस्तावित मध्यप्रदेश दौरे का उल्लेख करते हुए कहा कि केंद्र और राज्य में भाजपा की सरकार होने के बावजूद प्रदेश के कई गंभीर मुद्दों पर सरकार को जनता के सामने स्थिति स्पष्ट करनी चाहिए। उन्होंने प्रशासनिक समन्वय, प्रदेश की वित्तीय स्थिति और सरकारी खर्च को लेकर भी सवाल उठाए। जीतू पटवारी ने लोकसभा में नेता प्रतिपक्ष राहुल गांधी के बालाघाट दौरे का उल्लेख करते हुए कहा कि आदिवासी परिवारों ने अपने बच्चों को खोया है। उन्होंने आदिवासी अंचलों में स्वास्थ्य, पोषण, शिक्षा और रोजगार से जुड़ी व्यवस्थाओं की समीक्षा की मांग की।

राष्ट्र भक्ति की अलख उगाता दैनिक

राष्ट्रीय गरिमा



राष्ट्र एक कभीचा है और हम सब इसके माली

केंद्रीय गृहमंत्री अमित शाह आज भोपाल में करेंगे पशुपालक दीदियों का सम्मान

विभिन्न विकास कार्यों का भूमि-पूजन और गौशालाओं को अनुदान राशि का करेंगे वितरण

भोपाल। मध्यप्रदेश में दुग्ध क्रांति के सूत्रपात के लिए केंद्रीय सहकारिता एवं गृहमंत्री श्री अमित शाह और मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव 3 अक्टूबर को भोपाल में गौपालक सम्मेलन का शुभारंभ करेंगे। पशुपालन एवं डेयरी विभाग द्वारा भेल दशहरा मैदान में आयोजित होने वाले सम्मेलन में गौपालक शामिल होंगे। कार्यक्रम में केंद्रीय सहकारिता एवं गृहमंत्री श्री शाह पशुपालन के क्षेत्र में उत्कृष्ट कार्य करने वाली गौपालक दीदियों को सम्मानित करेंगे। साथ ही वे डॉ. भीमराव अंबेडकर कामधेनु योजना के हितग्राहियों को स्वीकृति पत्र का वितरण भी करेंगे। केंद्रीय सहकारिता मंत्री श्री शाह उज्जैन में 3 लाख लीटर प्रसंस्करण



क्षमता वाले अत्याधुनिक डेयरी प्लांट का वर्चुअल तरीके से भूमि-पूजन करेंगे। वे भोपाल में तैयार 40 हजार लीटर उत्पादन क्षमता वाले फर्मेंटेड प्रोडक्ट डेयरी प्लांट और मध्यप्रदेश स्टेट को-ऑपरेटिव डेयरी भी करेंगे। केंद्रीय सहकारिता मंत्री श्री शाह उज्जैन में 3 लाख लीटर प्रसंस्करण

स्तरीय डेयरी परीक्षण प्रयोगशाला और मिनी डेयरी संयंत्र शिवपुरी का शुभारंभ भी करेंगे। सम्मेलन में भोपाल और इंदौर क्षमता वाले फर्मेंटेड प्रोडक्ट डेयरी प्लांट और मध्यप्रदेश स्टेट को-ऑपरेटिव डेयरी फेडरेशन भोपाल के परिसर में बनाई गई सहकारी क्षेत्र की पहली अत्याधुनिक राज्य

खरखाव एवं भरण-पोषण के लिए माह जुलाई और अगस्त 2026 की अनुदान राशि का ऑनलाइन डीबीटी के माध्यम से वितरण करेंगे। यह राशि गौशालाओं में दर्ज गोवंश के समुचित व्यवस्थापन,आहार एवं भरण-पोषण के लिए दी जाती है। केंद्रीय मंत्री श्री शाह भोपाल बायपास की के पास आईआईएसईआर (अंत्रि) परिसर का शिलान्यास और परिसर में स्थापित स्वामी विवेकानंद की प्रतिमा का अनावरण भी करेंगे। मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने कहा कि केंद्रीय गृह एवं सहकारिता मंत्री अमित शाह की 3 अक्टूबर को प्रस्तावित भोपाल यात्रा से प्रदेश को कई सौगातें प्राप्त होंगी। इस दौरान भोपाल में आयोजित राज्य स्तरीय गौपालक सम्मेलन में बड़ी संख्या में दुग्ध सहकारी समितियों के सदस्य शामिल होंगे। इसके साथ ही भौरी स्थित आइसर

(इंडिया इंस्टीट्यूट ऑफ साइंस एजुकेशन एंड रिसर्च) में आयोजित कार्यक्रम युवा पीढ़ी को प्रोत्साहित करेगा। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने शुक्रवार को केन्द्रीय मंत्री शाह के भोपाल आगमन और गौपालक सम्मेलन की व्यवस्थाओं की मुख्यमंत्री निवास में समीक्षा की। इस अवसर पर उन्होंने कहा कि गौपालक सम्मेलन भेल दशहरा मैदान पर आयोजित है। जिसमें आस-पास के जिलों की दुग्ध सहकारी समितियों के सदस्यों के बड़ी संख्या में भाग लेने की संभावना है। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने सम्मेलन की व्यवस्था के संबंध में निर्देश दिए कि सदस्यों के आवागमन, बसों की पार्किंग आदि की समुचित व्यवस्था की जाए। प्रत्येक जिले से आने वाली बसों के लिए नोडल अधिकारी नियुक्त हो तथा व्यवस्था में लगे सभी लोग कंट्रोल रूम के माध्यम से परस्पर समन्वय में रहें।

आतंकियों के मंसूबे को साहस के साथ भारतीय कैप्टन रिमत ने किया नाकाम : मुख्यमंत्री



मुख्यमंत्री ने कुशाभाऊ ठाकरे सभागार में आयोजित कार्यक्रम को किया संबोधित

भोपाल। मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने कहा है कि प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी के नेतृत्व में भारत का लोकतंत्र पूरी दुनिया में अपनी विशिष्ट पहचान बना रहा है। महात्मा गांधी के स्वदेशी और आत्मनिर्भरता के विचारों को आगे बढ़ाते हुए देश मेक इन इंडिया और मेड इन इंडिया के माध्यम से आत्मनिर्भर भारत के संकल्प को साकार कर रहा है। मुख्यमंत्री डॉ.यादव,गांधी सेंटर परिसर में राष्ट्रपिता महात्मा गांधी की प्रतिमा पर पुष्पांजलि अर्पित कर उपस्थित जनसमुदाय को संबोधित कर रहे थे। मुख्यमंत्री डॉ.यादव ने पूर्व प्रधानमंत्री भारत रत्न से

सम्मानित स्व. लाल बहादुर शास्त्री की जयंती पर ओरुड विधानसभा चौराहे पर स्थित उनकी प्रतिमा पर भी पुष्पांजलि अर्पित कर नमन किया। मुख्यमंत्री डॉ.यादव ने कहा कि यह सींभाय्य और गर्व का विषय है कि आज हम देश की आजादी के 2 महान नायकों की जयंती मना रहे हैं। महात्मा गांधी ने स्वदेशी, आत्मनिर्भरता और राष्ट्र निर्माण का संदेश दिया, वहीं स्व.लाल बहादुर शास्त्री ने सादगी, ईमानदारी और राष्ट्रसेवा के आदर्श स्थापित किए। इन महापुरुषों के विचार आज भी देश को आगे बढ़ने की प्रेरणा देते हैं। मुख्यमंत्री डॉ.यादव ने कहा कि लंबे समय तक देश में रहे दुल विशेष के शासन में अंग्रेजों की सोच और उनकी व्यवस्थाओं की विरासत को आगे बढ़ाया गया। आज प्रधानमंत्री श्री मोदी के नेतृत्व में स्वदेशी

गांधी जी ने स्वदेशी अपनाने और आत्मनिर्भर बनने की प्रेरणा दी थी : मंत्री विश्वास सारंग



मंत्री विश्वास सारंग ने स्वच्छता ही सेवा के तहत मंदिरों और गुरुद्वारे में किया श्रमदान

भोपाल। राष्ट्रपिता महात्मा गांधी की जयंती के अवसर पर सहकारिता, खेल और युवा कल्याण मंत्री विश्वास केलश सारंग ने शुक्रवार को जवाहर चौक स्थित खादी ग्रामोद्योग भवन पहुंचकर खादी वस्त्रों एवं स्वदेशी उत्पादों की खरीदारी की। मंत्री श्री सारंग ने नरेला विधानसभा क्षेत्र स्थित पंजाबी बाग गुरुद्वारे में आयोजित स्वच्छता कार्यक्रम में पंजाबी समाज के बंधुओं के साथ श्रमदान किया। इसके साथ ही मंत्री श्री सारंग ने व्यक्तिगत स्वच्छता ही सेवा के तहत छोला स्थित श्री खेड़ापति हनुमान मंदिर प्रांगण की भी सफाई

की। इस अवसर पर मंत्री श्री सारंग ने कहा कि बापू का जीवन सत्य, अहिंसा, सादगी और स्वच्छता का संदेश देता है। उनके विचार आज भी हमारे लिए उतने ही प्रासंगिक हैं। गांधी ने देशवासियों को स्वदेशी अपनाने और आत्मनिर्भर बनने की प्रेरणा दी थी। आज गांधी जयंती पर हमें उनके विचारों को अपने जीवन में उतारने और स्वदेशी को जन-जन की पसंद बनाने का संकल्प लेना चाहिए। मंत्री श्री सारंग ने नरेला विधानसभा क्षेत्र स्थित पंजाबी बाग गुरुद्वारे में आयोजित स्वच्छता कार्यक्रम में पंजाबी समाज के बंधुओं के साथ श्रमदान किया। साथ ही मंत्री श्री सारंग ने व्यक्तिगत स्वच्छता ही सेवा के तहत छोला स्थित श्री खेड़ापति हनुमान मंदिर प्रांगण की भी सफाई की। मंत्री श्री सारंग ने कहा कि महात्मा गांधी ने स्वच्छता को केवल व्यक्तिगत आदत नहीं बल्कि सामाजिक जिम्मेदारी और राष्ट्रसेवा का माध्यम माना था। उन्होंने कहा कि स्वच्छ भारत का संकल्प तथा भी साकार होगा, जब स्वच्छता हमारी आदत, हमारी जिम्मेदारी और हमारे संस्कार का हिस्सा बने। मंत्री श्री सारंग ने कहा कि खादी महज एक वस्त्र नहीं बल्कि आत्मनिर्भरता, स्वावलंबन और देश के कारीगरों एवं बुनकरों के सम्मान का प्रतीक है।



मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने जवाहर चौक स्थित खादी ग्रामोद्योग भवन में खादी कपड़ों की खरीदारी करने आई सुश्री विजयलक्ष्मी यादव को बीएससी वीएड परीक्षा पास करने पर प्रसन्न होकर अपना पैन गिफ्ट किया।

